आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-358 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

25 जून 2025 बुधवार

आज का मौसम

29 अधिकतम

26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मिशन एक्सिओम

दूसरा राकेश मोमेंट...शुभांशु अंतरिक्ष के सफर पर रवाना

फ्लोरिडा, एजेंसी

भारत ने आज फिर एक नया इतिहास रचा। दोपहर बारह बजकर कुछ ही मिनट बाद बहुप्रतीक्षित उड़ान की शुरूआत हुई और भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए तीन अन्य साथियों के साथ रवाना हो गए। वह आईएसएस का दौरा करने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे और राकेश शर्मा के 1984 के मिशन के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। भारत के शुभांशु और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर एक्सिओम-4 ने कैनेडी स्पेस सेंटर के कॉम्प्लेक्स से उड़ान भरी। इस उड़ान के पहले व सबसे नाजुक कहे जाने वाले मिनट में सभी सांसे थामकर देखते रहे। अब 28 घंटे की यात्रा के बाद, यह अंतरिक्ष यान कल गुरुवार को शाम करीब 4.30 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से डॉक होगा। इन अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस स्टेशन पर करीब 14 दिन गुजारने हैं।

28 घंटे के सफर के बाद कल शाम पहुंचेंगे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

यह मिशन एक्सिओम स्पेस का हिस्सा है, जो एक निजी एयरोस्पेस कंपनी है।

खास बात यह है कि आज से पहले यह मिशन सात बार टाला जा चुका है। टलने की वजह लॉन्च व्हीकल में दिक्कतें और आईएसएस के ज़्वेज़्दा मॉड्यूल पर दबाव में बदलाव जैसी कई वजहें रही हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में रिसर्च करना और नई टेक्नोलॉजी को टेस्ट करना है। ये मिशन प्राइवेट स्पेस ट्रैवल को बढ़ावा देने के लिए भी है और एक्सियम स्पेस प्लानिंग का हिस्सा है, जिसमें भविष्य में एक कॉमर्शियल स्पेस स्टेशन (एक्सियम स्टेशन) बनाने की योजना है। शुभांशु का जन्म 1986 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से की। वह 2006 में वायु सेना में शामिल हुए और फाइटर जेट्स उड़ाने का अनुभव रखते हैं। उन्हें इसरो के गगनयान मिशन के लिए भी चुना गया है, जो भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है। अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए उन्होंने रूस और अमेरिका में खास ट्रेनिंग ली।

इजरायल व ईरान के बीच जंग थमने के 24 घंटे बाद भी 'कई खतरे'

तनाव बरकरार: जासूसों को फांसी, परमाणु ठिकाने सुरक्षित होने के दावे से मचा हड़कंप

तेहरान तेलअवीव, एजेंसी

ईरान-इजरायल के बीच भले ही सीजफायर हो गया है, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ है। दोनों देश एकदूसरे पर जीत के दावे कर रहे हैं और जश्न तक मन रहे हैं। इस बीच आज ईरान ने सुबह तीन लोगों को इजरायल के लिए जासूसी करने और हत्या की साजिश रचने के आरोप में फांसी दे दी। खबरों के मुताबिक ईरान की ओर से जारी बयान के मुताबिक इदरीस अली, आज़ाद शोजाई और रसूल अहमद रसूल ने हत्या के लिए उपयोग में लिए जाने वाले उपकरण ईरान में लाने की कोशिश की। इस मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया और बुधवार सुबह उरमिया शहर में सजा के तौर पर उन्हें फांसी दे दी गई. ईरान ने हालिया 12 दिन की ईरान-इजरायल जंग के दौरान 700 लोगों को इजरायल से संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया है. ये जानकारी राज्य-समर्थित मीडिया एजेंसी 'नूर न्यूज' ने दी।

दूसरी तरफ ईरान के तीन परमाणु केंद्रों फोर्डो, इस्फहान और नतांज पर भारी भरकम अमेरिकी हमला नाकाम रहा? इस सवाल पर अमेरिका की न्यूज एजेंसी सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट जारी कर अमेरिकी सिस्टम में हडकंप मचा दिया है। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले सप्ताह ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी सैन्य हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का असली और महत्वपूर्ण चीज नष्ट नहीं हुआ है. सीएनन ने। अमेरिकी हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम बस कुछ महीनों के लिए देर हो जाएगा। सीएनएन के अनुसार यह बात एक प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया आकलन में सामने आई है। हालांकि ट्रंप ने इस दावे को फेक न्यूज कहा है। यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन की खुफिया शाखा रक्षा खुफिया एजेंसी की ओर से है। सूत्रों ने बताया कि यह ईरानी परमाणु केंद्रों पर बी -2 विमानों से हमलों के बाद अमेरिकी सेंट्रल कमांड द्वारा किए गए युद्ध क्षति आकलन पर आधारित है।

सीजफायर के बाद ईरान ने बीर्शेबा शहर पर ही सबसे पहले हमले किए। मिसाइल हमले में तबाह बिल्डिंग।

दोनों कर रहे जीत के दावे !

इजराइल-ईरान के बीच जंग अब थम गई है। दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की है और साथ ही इस जंग में अपनी जीत का दावा किया। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजराइल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा- हम शेर की तरह उठे और हमारी दहाड़ ने तेहरान को हिला दिया। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा- 'हमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं।' ईरान की राजधानी तेहरान में विक्ट्री सेलिब्रेशन आयोजित किया गया।

आपातकाल के दिनों को किया याद

पुरानी यात्राओं के अनुभव वाली मोदी की 'द इमरजेंसी डायरीज'

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने इमरजेंसी के 50 साल पूरा होने पर आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार ट्वीट किये हैं। मोदी ने लिखा कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया।

मोदी ने लिखा कि जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को फिर से पुष्ट किया। मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है, जिसकी प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे। पीएम ने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' में आपातकाल के वर्षों के दौरान मेरी यात्रा का वर्णन है। मोदी ने कहा कि आपातकाल में जिन्होने कष्ट झेले हैं, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें।

मध्यप्रदेश ने दिए सुझाव

शाह की नसीहत अहम मुद्दों पर मिलकर काम करें राज्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वाराणसी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में जहां मध्यप्रदेश ने कई अहम सुझाव दिए है। वहीं शाह ने राज्यों को विकास में एक–दूसरे के सहयोगी बनने पर जोर दिया व सुरक्षा, स्वास्थ्य, विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने संबंधी कई विषयों पर और तेजी से काम करने की जरुरत बताई। ।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि आयुष्मान भारत व प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत एसइसीसी के हितग्राहियों पर होने वाले व्यय का वहन केंद्र व राज्य द्वारा 60-40 के अनुपात में किया जा रहा है। प्रति परिवार व्यय की अधिकतम सीमा राशि 1052 रुपए 2018 से यथावत है, इस सीलिंग को बढ़ाया जाए। सीएम ने बताया कि महिला बाल विकास व स्वास्थ्य विभागों में अलग पोर्टल होने के कारण जिन बच्चों को चिकित्सा सुविधा की जरुरत होती है, उन्हें कम समय में आसानी से चिन्हित करना मुश्किल है। इसका समाधान एक इंटीग्रेटेड पोर्टल हो सकता है। बैठक में यूपी, छत्तीसगढ़ व उत्तराखंड के सीएम मौजूद थे। वहीं मप्र के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहे। बैठक में मप्र की उपलब्धियों और विकास संबंधी विषयों पर प्रजेंटेशन दिया गया। यादव ने बताया कि प्रदेश के अधिकारी एवं कर्मचारी की 9 वर्षों से लंबित पदोन्नति संबंधी नए नियम लागू किए, शहरी क्षेत्र को नीति आयोग के ग्रोथ हब मॉडल के अनुरूप औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र के हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आज 16 जिलों में अलर्ट

पहाड़ों पर भारी बारिश का नया सिस्टम, मप्र पर चार दिन भारी

भोपाल। मासनून की मेहरबानी मप्र में कहीं राहत और कहीं आफत का मंजर दिखा रही है। आज

16 जिलों में हैवी रेन का अलर्ट है। इनमें भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के जिले शामिल हैं। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में मानसून की आमद अब हो चुकी है। वहीं पहाड़ों पर नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। इधर मप्र में आज भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में बारिश का यलो अलर्ट है। मध्यप्रदेश के ऊपर से दो टर्फ गुजर रही है। इसके अलावा साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इस वजह से पूरे प्रदेश में बारिश का दौर चल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले चार दिन तक कई संभागों में तेज बारिश हो सकती है।

11 साल से देश में अघोषित आपातकाल: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आज केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि बीते 11 वर्षों से देश में अघोषित आपातकाल लागू है। भारतीय

लोकतंत्र पर व्यवस्थागत और खतरनाक तरीके से पांच गुना ज्यादा हमला किया जा रहा है। कांग्रेस ने दावा किया कि देश में बेलगाम नफरती भाषण दिए जा रहे हैं और नागरिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने एक कहा कि सरकार के आलोचकों को बदनाम किया जा रहा है। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा नफरत और कट्टरता फैलाई जा रही है। प्रदर्शन करने वाले किसानों को खालिस्तानी करार दिया जा रहा है और जाति जनगणना की मांग करने वालों को शहरी नक्सली बताया जा रहा है।

सोनम के लैपटॉप की तलाश

हवाला से लेकर तांत्रिक एंगल तक पहुंची राजा हत्याकांड की जांच

इंदौर/शिलांग एजेंसी।

ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में शिलॉन्ग पुलिस को अब सोनम के लैपटॉप की तलाश है। उसे ढूंढने के लिए शिलांग पुलिस टीम इंदौर के महालक्ष्मी नगर इलाके में भी पहुंची तथा बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर-ब्रोकर शिलोम जेम्स और चौकीदार बलवीर अहिरवार को भी साथ ले गई। पुलिस के हाथ हवाला कारोबार के कई इनपुट लगे हैं। अनुमान है कि सोनम के लैपटॉप में इसके लेन-देन का हिसाब मिल सकता है। इस लैपटॉप को शिलोम ने

डिजिटल एविडेंस समझकर फेंक दिया था। इसके अलावा कुछ ऐसी जानकारी भी पता चली है, जिससे तांत्रिक क्रिया के चलते मर्डर का शक गहरा रहा है। ऐसे में शिलॉन्ग पुलिस अभी शिलोम जेम्स और चौकीदार बलवीर अहिरवार को लेकर इंदौर में ही रुकेगी।

राजा की हत्या के बाद सोनम शिलॉन्ग से लौटकर इंदौर के जिस फ्लैट में रुकी थी, उसके मालिक लोकेंद्र तोमर पुलिस रिमांड में है। शिलोम ने बताया कि उसने सोनम के लैपटॉप को खोलकर देखे बिना ही फेंक दिया था क्योंकि यह डिजिटल एविडेंस है, जिसमें मैं फंस सकता हूं। वहीं टेक्निकल टीमों ने आरोपियों के बीच मैसेज और बातचीत का पूरा डेटा तैयार किया है। इसको शिलॉन्ग पुलिस सोनम और अन्य आरोपियों की अगली पेशी पर कोर्ट में पेश कर सकती है।

मेट्रो एंकर | क्रूड की कीमत और घटेंगी, युद्ध के बावजूद बढ़ रहा उत्पादन

युद्ध से बेअसर तेल कारोबार, आने वाली है तेल की बाढ़ !

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों के संघर्ष के बाद सीजफायर से तेल बाजार में एक अजीब स्थिति पैदा हो गई है। युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंका थी। इससे तेल की कीमतों में भारी उछाल आने के आसार थे। लेकिन, वास्तविकता बिल्कुल उलट है। मीडया रिपोर्टस के मुताबिक फारस की खाड़ी से कच्चे तेल की बड़ी लहर उठ रही है। यह लहर ऐसे वैश्विक तेल बाजार में प्रवेश कर रही है जो पहले से ही तेल से लबालब है। इसी वजह से ब्रेंट क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया। उत्तरी गोलार्ध यानी नॉर्दर्न हेमिस्फीयर में गर्मी का मौसम तेल की मांग को थोड़ा बढ़ा देता है। लेकिन, इसके बाद तेल की अधिक सप्लाई की समस्या और भी स्पष्ट हो जाएगी। तेल की कीमतें बहुत तेजी से गिरने वाली हैं। इस युद्ध ने 2025 ही नहीं, बल्कि 2026 में भी तेल की मांग और सप्लाई के बीच के अंतर को और बढ़ा दिया है। भारत के लिये यह स्थिति अच्छी है। कच्चे तेल की कीमतों का घटना भारत के लिये हमेशा अच्छा होता है। मगर भू-राजनीतिक अस्थिरता कारोबार और पर्यटन के लिए अच्छी नहीं है। इससे तेल की खपत में बढ़ोतरी और भी कम हो जाएगी।

भारत के लिए क्यों अच्छा?

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। अपनी 85त्न से अधिक तेल जरूरतों को वह आयात के जरिए पूरा करता है। क्रूड की कीमतों के घटने पर भारत का तेल आयात बिल काफी कम हो जाता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा वरदान है। कम आयात बिल से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम होता है, रुपये को स्थिरता मिलती है और व्यापार घाटा कम होता है।

फिलवक्त तो बाजार में तेल की भरमार है। ईरान भी पहले से ज्यादा तेल उत्पादन कर रहा है वह तेल निर्यात को छिपाने की पूरी कोशिश करता है। इसलिए, सही आंकड़े मिलना मुश्किल है। फिर भी सैटेलाइट तस्वीरों और जहाजों से मिले डेटा से पता चलता है कि ईरान का तेल उत्पादन इस महीने 35 लाख बैरल प्रति दिन से ऊपर पहुंच जाएगा। इजरायल व अमेरिका की बमबारी के बावजूद ईरान का तेल उत्पादन कम नहीं हुआ है, बल्कि बढ़ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे तेल की कीमतों को 70 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर नहीं जाने देना चाहते। उन्हें अभी भी लगता है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत हो सकती है। फारस की खाड़ी के पार सऊदी अरब, कुवैत, इराक और संयुक्त अरब अमीरात सभी एक महीने पहले की तुलना में अधिक तेल का उत्पादन कर रहे हैं। यह सच है कि ओपेक देशों के उत्पादन कोटा बढ़ाने के समझौते के बाद उत्पादन में बढ़ोतरी की उम्मीद थी। शिपिंग डेटा से पता चलता है कि निर्यात उम्मीद से थोड़ा अधिक बढ़ रहा है, खासकर सऊदी अरब से। पेट्रो-लॉजिस्टिक्स एसए तेल टैंकर-ट्रैकिंग फर्म का अनुमान है कि सऊदी अरब जून में बाजार को 96 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की सप्लाई करेगा। यह 2 वर्ष में सबसे अधिक होगा।

गंदगी ही गंदगी

राजधानी में आनंद नगर चौराहा से 11 मील चौराहे के बीच सडक पर गंदगी के ऐसे कई ढेर दिखाई दे जाते हैं। यह हालात शहर की अन्य बस्तियों व मुख्य सडकों के भी हैं।

सांस्कृतिक पहल : बच्चों ने किया हनुमान चालीसा और गीता का संगीतमय पाठ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संस्कार विद्यालय में मंगलवार को सुबह की प्रार्थना सभा में एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल की गई। बच्चों ने हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ करने के साथ-साथ गीता के श्लोकों का भी सुंदर वाचन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना है।

विद्यालय के सचिव बसंत चेलानी और कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने स्वयं बच्चों के साथ मिलकर इस संगीतमय पाठ में हिस्सा लिया। इस अवसर पर श्री चेलानी ने कहा, ÷हमारे विद्यालय को आगे बढ़ाने में आप सबकी

प्रार्थनाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसीलिए अब हम हनुमान चालीसा के पाठ के साथ गीता के श्लोकों का वाचन भी करते हैं, ताकि हमारी नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को पहचान सके और उससे जुड़ सके। श्री नागदेव ने भी इस परंपरा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह पहल हमें अपनी समृद्ध संस्कृति के बारे में बताती है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, कोऑर्डिनेटर सीमा शर्मा और समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। यह आयोजन दर्शाता है कि संस्कार विद्यालय न केवल अकादमिक शिक्षा पर ध्यान दे रहा है, बल्कि बच्चों में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों के रोपण को भी प्राथमिकता दे रहा है।

30 को लोकार्पित करने के इरादे में अड़ंगे

सीटी स्कैन व एमआरआई मशीनें तैयार मगर टेक्नीशियंस का टोटा

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के सबसे बड़े सरकारी हमीदिया अस्पताल में करोड़ों रूपयों की लागत से नई सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनें लगाई तो जा चुकी हैं लेकिन मरीजों को इनका फायदा नहीं मिल सकेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि अब तक इन मशीनों के संचालन के लिए टेक्नीशियन उपलब्ध नहीं है। जबकि इनकी शुरूआत की तारीख 30 जून तय भी कर दी गई है।दूसरी तरफ पुरानी एमआरआई व सीटी स्कैन मशीनें दस दिनों से बंद हैं। ऐसे में मरीजों को इन जरूरी जांच के लिए बहुत परेशान होना पड़ रहा है। इस मामले में गांधी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन का दावा है कि अस्पताल में मशीनों के संचालन के लिए जल्द टेक्नीशियन नियुक्त कर दिए जाएंगे। इसके लिए विभाग को पत्र भेजा गया है। जल्द मरीजों की इसका फायदा भी मिलने लगेगा।

हमीदिया अस्पताल ने मरीजों की सुविधा के लिए नए भवन ब्लॉक-1 में 6 करोड़ रुपए की सीटी स्कैन और 12 करोड़ रुपए की एमआरआई मशीन लगाई

हैं। इन मशीनों को इमरजेंसी विभाग के ठीक पीछे स्थापित किया गया है, ताकि गंभीर मरीजों की जांच तुरंत हो सके। लेकिन, इन्हें चलाने वाले टेक्नीशियन नहीं हैं, और न ही इनके रखरखाव के लिए कोई एग्रीमेंट हुआ है।

बताया जाता है कि नई मशीनों को चलाने के लिए प्रशिक्षित टेक्नीशियन उपलब्ध नहीं हैं। सालाना मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट और कॉम्प्रिहेंसिव मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट जैसे जरूरी एग्रीमेंट नहीं हुए हैं। अस्पताल की पुरानी एमआरआई मशीन में अर्थिंग की समस्या के कारण शॉर्ट सर्किट हो गया है, जिससे वह भी पूरी तरह बंद हो गई है।

नियम कई, पालन पूरा नहीं !

इन सभी कारणों का कहर मरीजों पर टूट रहा है। गंभीर मरीजों को तेज धूप या बारिश में जांच के लिए हमीदिया से निजी लैब में जाना पड़ रहा है। निजी लैब्स में उन्हें हजारों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। कई मरीज आर्थिक तंगी या असुविधा के चलते जांच टाल रहे हैं, जिससे उनके इलाज में देरी हो रही है और स्वास्थ्य बिगड़ रहा है।दूसरी तरफ नेशनल मेडिकल काउंसिल के नए नियमों के तहत साफ है कि सभी मेडिकल कॉलेजों में मॉडर्न जांच सुविधाएं अस्पताल के अपने संचालन में होनी चाहिए। गांधी मेडिकल कॉलेज ने मशीनें तो खरीदीं, लेकिन उन्हें चालू हालत में रखने के लिए जरूरी स्टाफ और रखरखाव अनुबंधों में ढिलाई बरती गई।

पीएसएससीआईवीई में एआई और डिजिटल दक्षता पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

तकनीक सेवा में झलके हम इसके अधीन न हों

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी स्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल दक्षता विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुरू हुई। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में एआई के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के निदेशक डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी ने वर्चुअल माध्यम से किया।

उन्होंने शिक्षा में एआई के नैतिक और उत्तरदायी एकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, तकनीक हमारी सेवा में होनी चाहिए, न कि हम तकनीक के अधीन हों। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीईआरटी द्वारा विद्यार्थियों के लिए एआई विषयवस्तु को नई पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित किया जा रहा है। वक्ताओं ने शिक्षा में एआई की प्रासंगिकता, डिजिटल शिक्षण पद्धतियों की आवश्यकता तथा शिक्षकों की डिजिटल रूपांतरण में तैयारी पर जोर दिया। कार्यशाला 24 जून 2025 तक चलेगी।

किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी?:?

पीएसएससीआईवीई के संयुक्त निदेशक डॉ. दीपक पालीवाल ने व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एआई पाठ्यक्रम निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विनय स्वरूप मेहरोत्रा ने एआई की भूमिका, संभावनाएं, और वैश्विक सहयोग की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने यूनेस्को ग्लोबल स्किल्स अकादमी, माइक्रोसॉफ्ट, केपीएमजी और टैबलेट अकादमी के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर आरआईई भोपाल के प्राचार्य डॉ. एस.के. गुप्ता, टैबलेट अकादमी नीदरलैंड्स से विजय प्रसाद धुंगाना, यूनेस्को नई दिल्ली से जियान शी तेंग, और टैबलेट अकादमी यूनाइटेड किंगडम से वरिष्ठ सलाहकार रॉस हंटर ने भी विचार साझा किए।

आपातकाल के 50 साल : लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान, युवाओं ने छोड़े 'काले गुब्बारे'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

भारतीय लोकतंत्र के 'काले अध्याय' आपातकाल के 50वें वर्ष को चिह्नित करते हुए, गुरुनानक मंडल ने शहीद गेट पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों और 'मिसाबंधियों' को तिरंगा पगड़ी, तिरंगा शॉल और भारत माता का मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में एक प्रतीकात्मक जेल की प्रदर्शनी लगाई गई थी। इसी जेल से मिसाबंधी और लगभग 50 युवा 'काला दिवस' लिखी काली टी-शर्ट पहनकर और काली पट्टी बांधकर बाहर निकले। इसके बाद, 50 काले गुब्बारे हवा में छोड़े गए, जो आपातकाल के दौरान हुए दमन और नागरिकों के अधिकारों के हनन का प्रतीक थे।

इस अवसर पर राकेश कुकरेजा ने कहा, आपातकाल एक काला अध्याय था जिसने भारतीय

लोकतंत्र को हिलाकर रख दिया था। इस दौरान नागरिकों के अधिकारों का हनन हुआ और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया था। उन्होंने जोर दिया कि आपातकाल की यादें हमें लोकतंत्र की महत्ता और अधिकारों की रक्षा के महत्व को हमेशा याद दिलाती हैं।

कार्यक्रम में मिसाबंधी बिहारी लाल लोकवानी, पंडित रामजीवन दुबे, गोविंद डांडवानी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और युवा साथी उपस्थित थे। यह आयोजन नई पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था।

77 साल बाद भी प्रॉपर्टी का मालिकाना हक न मिलने लीज नवीनीकरण न होने पर नाराजगी जताई

सिंधी सेंट्रल पंचायत की बैठक हुई, सांसद-विधायक को दुखड़ा सुनाएंगे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

सिंधी सेंट्रल पंचायत ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बैठक की, जहाँ सिंधी समुदाय की दशकों पुरानी समस्याओं पर गहन चर्चा हुई। आजादी के 77 साल बाद भी अपनी संपत्ति के मालिकाना हक और लीज नवीनीकरण के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे समुदाय ने अपनी पीड़ा व्यक्त की।

बैठक में मुख्य रूप से दो बड़े मुद्दों पर चिंता जताई गई- पहला, सिंधी हिंदुओं को अपनी संपत्ति के मालिकाना हक से अभी भी वंचित रखा जाना, जबकि इस संबंध में सरकार के स्पष्ट आदेश हैं। दूसरा, वन ट्री हिल्स के 500 भूखंडधारकों की लीज का नवीनीकरण न हो पाना, बावजूद इसके

कि वे दूसरी बार 15 लाख रुपए का प्रीमियम जमा कर चुके हैं। महासचिव सुरेश जसवानी ने इस मामले में तत्कालीन एसडीएम द्वारा की गई कथित गुमराह करने वाली कार्रवाई पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया।

विभिन्न सदस्यों ने अपनी बात रखी। अध्यक्ष चंद्रकुमार इसरानी ने ओवर ब्रिज के साथ उपनगर में एक अंडर ब्रिज की आवश्यकता पर जोर दिया, वहीं संरक्षक प्रकाश मीरचंदानी ने समस्याओं के समाधान के लिए विधायक रामेश्वर शर्मा के सहयोग को अनिवार्य बताया। चर्चा के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिंधी परिवारों के संपत्ति के मालिकाना हक और वन ट्री हिल्स लीज नवीनीकरण के मुद्दे पर विधायक रामेश्वर शर्मा के नेतृत्व में कलेक्टर या अन्य संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की जाएगी। इसके अतिरिक्त, अंडर ब्रिज के निर्माण और संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर 8 ट्रेनों के स्टॉपेज के लिए दिल्ली में सांसद आलोक शर्मा से संपर्क किया जाएगा। बैठक का संचालन सुरेश जसवानी ने किया।

बैठक में युवा समाजसेवी मोहित शेवानी ने फिलीपींस की राजधानी मनीला में 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक होने वाले 30वें विश्व सिंधी सम्मेलन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की, और सभी से इसमें शामिल होने की अपील की। यह बैठक सिंधी समुदाय की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक सशक्त कदम है।

मैट्रो एंकर यात्रियों या अन्य आगंतुकों के लिए 'सितारा सुविधाएं'

स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज तैयार, मुख्यअतिथि का इंतजार!

भोपाल दोपहर मेट्रो

शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक की ओर अब प्रदेश का पहला एग्जीक्यूटिव लाउंज इसी सप्ताह शुरू हो सकता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दोपहर इसका लोकार्पण करेंगे। यह लाउंज न सिर्फ यात्रियों के लिए, बल्कि स्टेशन पर आने वाले अन्य लोगों के लिए भी उपयोगी रहेगा इसमें लोग यहां अपने परिजन और मित्रों के साथ बैठ सकेंगे। यह स्टेशनों पर नजर आने वाले अब तक के दृश्यों से अलग होगा। आईआरसीटीसी द्वारा निर्धारित रेट्स पर यहां पर खाने-पीने की सुविधा भी मिल जाएगी। एयर कंडीशंड लाउंज में सोफा हॉल, अखबार और पत्रिकाएं पढ़ने की सुविधा, चाय या कॉफी, समोसा, 200 एमएल पानी या वेलकम ड्रिंक, वाई-फाई, गेम्स, टीवी, म्यूजिक, लगेज रैक, वॉश और चेंज की सुविधा मिलेगी। इसका शुल्क प्रति व्यक्ति प्रति घंटा 100 रूपया रखा गया है। खास बात यह है कि यहां लोग अपनी मीटिंग या कॉन्फ्रेंस भी कर सकते हैं। इसके लिए 200 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति घंटे का शुल्क होगा। इसमें एसी,

टेबल, चेयर, वाई-फाई, लैपटॉप पॉइंट, वेलकम ड्रिंक, चाय या कॉफी, समोसा, सैंडविच और नमकीन मिलेगा। कुल मिलाकर यह

भी माना जा सकता है कि समय से देरी या बहुत देरी से चलने वाली ट्रेनों का इंतजार यहां मनोरंजन के साथ किया जा सकता है।

150 रुपए में मिनी थाली

इस स्थान पर भोजन के लिये भी मिनी थाली 150 रुपए, स्पेशल थाली 200 रुपए और नमः थाली 250 रुपए में मिलेगी। इसके अलावा इडली-सांभर, डोसा, मैगी, हक्का नूडल्स, मंचूरियन, पनीर चिली, सैंडविच, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, कॉफी, मिल्क शेक जैसे फास्ट फूड भी रहेंगे। जबकि 50 रू में भी एक विकल्प मिलेगा, जिसमें एसी, सोफा, अखबार-पत्रिका, ट्रेन जानकारी डिस्प्ले, टॉयलेट, टीवी, म्यूजिक और लगेज रैक की सुविधा होगी। इसके अलावा 40 रुपए में डेंटल या शेविंग किट, 150 रुपए में नैप जोन (बेड, साइड टेबल, बेडशीट, तकिया, कंबल), 15 रुपए प्रति पेज पर प्रिंट, फोटो कॉपी या स्कैनिंग, 50 रुपए में 5 मिनट की मसाज चेयर, 100 रुपए में वॉश एंड चेंज की सुविधा भी मिलेगी। इसमें तौलिया, साबुन, हैंड बेसिन, शैम्पू, टॉयलेट और लगेज रैक शामिल हैं।

कई बार सख्त हिदायत के बाद भी नहीं हो रहा आदेश का पालन

फीस संबंधी जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं करने वाले निजी स्कूलों पर जुर्माना

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में फीस, पुस्तकों सहित अन्य ब्यौरा सार्वजनिक करने को लेकर निजी स्कूलों की मनमानी जारी है। इस संबंध में आदेश जारी होने के बाद भी अधिकतर निजी स्कूलों ने फीस संबंधी जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं की है। जबकि शासन की द्वारा नए सत्र को ध्यान में रखते हुए दिशा-निर्देश जारी किए गए है, लेकिन आदेश का पालन नहीं हो सका है। अब स्कूल शिक्षा विभाग इन पर जुर्माना लगाने की तैयारी कर रहा है। विभागीय जानकारों के अनुसार, किसी स्कूल का पंजीयन शुल्क 1 हजार है, तो उस पर 5 हजार और 5 हजार पंजीयन शुल्क है तो उससे 25 हजार रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। इसके लिए लोक शिक्षण संचालनालय की तरफ से एनआईसी से जानकारी मांगी गई है कि कौन-कौन से स्कूल हैं, जिन्होंने अब तक फीस की जानकारी अपलोड नहीं की है। इनकी जानकारी मिलते ही, इन सभी को नोटिस जारी होंगे।

प्रदेश में करीब 34 हजार 662 निजीस्कूल संचालित- मामले में पालक महासंघ के महासचिव प्रबोध पंड्या का कहना है कि पूरे प्रदेश में संचालित करीब 34 हजार 662 निजी?स्कूलों में से बड़ी मात्रा में स्कूलों की ओर से ही फीस की जानकारी सार्वजनिक की गई है और वह भी अधूरी है।?हालात यह हैं कि राजधानी भोपाल में ही अधिकारी आदेशों का पालन नहीं करा पा रहे हैं। स्कूलों के पोर्टल पर अब भी जानकारी उपलब्ध नहीं है।?बार-बार शासन-प्रशासन को पत्र लिखने और अवगत कराने के बाद भी इस मामले में कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। ऐसे में अभिभावक परेशान हैं।आदेश तो जारी हुए, लेकिन अमल नहीं हो सका।

30 जनवरी तक ब्यौरा सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए थे :

उल्लेखनीय है कि मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित फीस संरचना (कक्षा एवं संवर्गवार) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। शासन-प्रशासन द्वारा प्रवेश, यूनिफार्म सहित पुस्तकों को लेकर कुछ माह पूर्व सख्त निर्देश जारी करते हुए 30 जनवरी तक ब्यौरा सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए थे। इसके साथ ही स्कूलों को आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पहले अनिवार्य रूप से लेखक एवं प्रकाशक के नाम, मूल्य के साथ कक्षा वार पुस्तकों की सूची स्कूल के सूचना पटल पर प्रदर्शित करने की बात कही गई थी। स्कूलों को निर्देश दिए गए थे कि वह प्रत्येक कक्षा में लगने वाली पाठ्यपुस्तकों एवं प्रकाशक की जानकारी को वेबसाइट पर अनिवार्यतः अपलोड करेंगे। इसके साथ ही हॉर्ड कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करानी होगी, लेकिन इस आदेश पर अमल नहीं हो सका है। नतीजन अभिभावक परेशान हैं।

अभी चल रहा है ट्रायल , सरकार सख्त

मास्साबों को लगाना ही पड़ेगी ई हाजिरी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

स्कूल शिक्षकों के लिए ई अटेंडेंस सिस्टम लागू किए जाने का विरोध चल रहा है लेकिन सरकार का रुख कडा है। इस मामले में शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल से मंत्री उदयप्रताप ने भी साफ कह दिया है कि इसका पालन करना ही होगा। विभाग के छोटे से बड़े अधिकारी, कर्मचारी पर यह व्यवस्था लागू होगी। इसलिए सबको साथ देना होगा। मंत्री ने यह भी कहा है कि सितंबर से स्कूल शिक्षा विभाग में नए नियमों के आधार पर पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होगी।

राज्य शिक्षक संघ ने स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से अलग-अलग मांगों को लेकर मुलाकात की। इस दौरान शिक्षकों से संबंधित अन्य समस्याओं की जानकारी देकर उसके समाधान के लिए आग्रह किया गया। जिस पर कई मामलों में मंत्री ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके पहले संघ की मध्य प्रदेश की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक संघ में प्रांतीय अध्यक्ष जगदीश यादव की अध्यक्षता में हुई थी। इसमें स्कूल शिक्षा मंत्री से मिलकर समस्याओं की जानकारी देने का फैसला किया गया था। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने वल्लभ भवन में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से मुलाकात की और उन्हें ई अटेंडेंस की समस्या के साथ अनुकंपा नियुक्ति नियमों का सरलीकरण करने, अध्यापक से राज्य

शिक्षा सेवा में अध्यापकों का संविलयन के बारे में बताया गया। साथ ही शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति की तारीख से वरिष्ठता के साथ-साथ क्रमोन्नति दिए जाने, गुरुजियों को आ रही समस्या को दूर करने, पदोन्नति की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने, अतिथि शिक्षकों को वर्ष भर सेवा में रखते हुए गुरुजी की भांति नियमित करने का भी आग्रह किया गया।मंत्री ने कहा कि सितंबर से हर हाल में नए नियमों के अनुसार शिक्षा विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया चालू हो जाएंगी। विभिन्न जिलों में क्रमोन्नति की जो समस्या है, उसे दूर किया जाएगा और व आयुक्त को इस संबंध में निर्देश देंगे। अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया एक जुलाई से प्रारंभ करने के आदेश जारी करने के लिए तुरंत निर्देश दिए।

चपरासी से लेकर डीईओ तक लगाएंगे अटेंडेंस

संघ प्रतिनिधियों ने मंत्री से पदोन्नति में बीएड की अनिवार्यता समाप्त करने, शैक्षणिक सत्र आगामी सत्र में 1 जुलाई से प्रारंभ करने, जनशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति में आयु 56 वर्ष करने, अध्यापक संवर्ग में शेष रहे शिक्षकों को सातवां वेतन प्रदान करने की मांगों से भी अवगत कराया। वहीं मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग में चपरासी से लेकर जिला शिक्षा अधिकारी तक की अटेंडेंस लगाएंगे और आप सब सहयोग करें। आपकी सारी समस्याओं का हल हम करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के नियमों का अति शीघ्र सरली करण किया जाएगा और आश्रित परिवार को अनुकंपा देना प्राथमिकता में है।

विस का मानसून सत्र 28 जुलाई से होगा शुरू

भोपाल। मप्र विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, जो 8 अगस्त तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगा। मानसून सत्र में राज्य सरकार विधेयकों के साथ पहला अनुपूरक बजट भी पेश करेगी, जिसे सदन की मंजूरी मिलना तय है।

बताया जाता है कि इसी मुद्दे को लेकर तीन दिन पहले मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के बीच मुलाकात हुई थी।मुख्यमंत्री यादव विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से उनके बंगले पर मिलने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों के बीच मानसून सत्र को लेकर अंतिम चर्चा हुई। इसके बाद सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल से मंजूरी ली गई। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में विधानसभा सचिवालय सत्र को लेकर अधिसूचना जारी कर देगा। इस सत्र में मानसूत्र सत्र में दस बैठकें होने की संभावना है।

हालांकि यह सत्र पिछले साल के मुकाबले देर से शुरू हो रहा है। पिछले साल विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। इसके लिए 19 जुलाई तक का समय तय किया गया था। हालांकि सत्र समय से पहले समाप्त हो गया था। इस सत्र में कुल 14 बैठकें तय की गई थीं। लोकसभा चुनाव के चलते मार्च 2024 में सरकार का बजट नहीं आ सका था। ऐसे में मानसून सत्र के दौरान तीन जुलाई को मोहन सरकार का पूर्ण बजट आया था। इसके पहले फरवरी में सरकार ने लेखानुदान पारित कर चार माह के बजट का इंतजाम किया था।

संपादकीय

बचपन पर हमलों के चौंकाने वाले आंकड़े

बच्चों पर होने वाले अत्याचारों पर संयुक्त राष्ट्र की एक नई रपट ने चिंता बढ़ा दी है, जिसमें कहा गया है कि पिछले वर्ष दुनिया भर में संघर्षों के दौरान बच्चों के खिलाफ हिंसा व अन्य अपराध अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गए। वर्ष 2023 की अपेक्षा 2024 में बच्चों और किशोरों के खिलाफ हिंसा के मामलों में पच्चीस फीसद बढ़ोतरी हुई है। बच्चों के खिलाफ हिंसा न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी उन्हें चोट पहुंचाती है। बल्कि बाद में उनके वयस्क जीवन में भी इसके प्रतिकूल परिणाम देखने को मिलते हैं। यूं तो कानूनन सभी बच्चों को हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षित रहने का अधिकार है। मगर, दुनिया भर में तमाम सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और विभिन्न धर्मों व समुदायों के लाखों बच्चे हर दिन हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार का शिकार होते हैं। कइई ऐसी घटना सामने आती हैं कि कलेजा पसीजने लगता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रपट को इसलिए भी गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि बच्चों के खिलाफ अपराध कम होने के बजाय साल-दर-साल बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संघर्षरत राष्ट्रों में बच्चों के खिलाफ 41,370 आपराधिक मामलों की पुष्टि की है, इनमें से 36,221 मामले वर्ष 2024 में सामने आए हैं और 5,149 मामले पहले के थे, जिन्हें पिछले साल सत्यापित किया गया। इसके अलावा 'द लैंसेट जर्नल' की एक हालिया रपट के मुताबिक, 1990 से 2023 के बीच दुनिया के 200 से ज्यादा देशों में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले बढ़े हैं। इसमें गौर करने वाली बात यह भी है कि सामान्य मामलों में बहुत से लोग पुलिस के पास अपने बच्चों के खिलाफ हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज कराने में हिचकिचाते हैं। जाहिर है कि वास्तविक मामलों की संख्या सत्यापित आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। क्योंकि समाज में आज भी कई किस्म के दबाव,डर और असमानता बनी हुई है। लिहाजा लोग कई बार अत्याचारों को चुपचाप बर्दाश्त कर जाते हैं। जबकि यह बहुत खराब और खतरनाक स्थिति है। दअरसल, सरकारों, नीति निर्माताओं और यूनिसेफ जैसे संगठनों पर बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने की जिम्मेदारी है और अब ताजा हालातों तथा आंकडों के बरक्स उन्हें अपने प्रयासों का गंभीरता से आकलन करना होगा। इसके अलावा धार्मिक और सामाजिक संगठनों से भी सहयोग की उम्मीद की जाती है। बच्चों में व्यक्तिगत सुरक्षा को बढ़ावा देना, बाल संरक्षण नीतियों को कड़ाई से लागू करना और अभिभावकों को जागरूक करने पर भी प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है। बच्चे की जिंदगी माता पिता की परवरिश पर निर्भर होती है। वह कैसा बनेगा, उसका व्यवहार कैसा होगा, उसकी सोच कैसी होगी, यह सब परवरिश पर निर्भर करता है। हालांकि, हर बच्चे को अच्छी परवरिश नहीं मिलती। इसके कई सामाजिक व आर्थिक कारण भी होते हैं। लेकिन बच्चे को घरेलू हिंसा जैसी खतरनाक चीज देखनी पड़े, तो फिर उसका मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। लिहाजा अभिभावकों को इस तरफ भी बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। कुल मिलाकर बच्चों से हिंसा के इस मोर्चे पर सरकार,समाज तथा सामाजिक संगठन जागरुक नहीं रहे तो कहा जा सकता है कि इस लापरवाही से अनजाने में ऐसा खतरा ले रहे हैं जो हमारी भावी पीढियों में कई तरह की परेशानियों को पैदा करने वाला हो सकता है। जरूरी यह है कि बच्चों पर अत्याचार हिंसा करने वालों के खिलाफ बेहद कडे दंड के प्रावधान हों और इन्हें हर सूरत में दंडित किया जाए। इससे समाज के ऐसे तबकों में भय व्याप्त होगा जो बच्चों के प्रति असंवेदनशील रुख रखते हैं।

हैवान जब इन्सान बनने लगे तो सबसे पहला माफी का हकदार भी वही है।
- विविध

आज का इतिहास

- 1788: वर्जीनिया अमेरिका का संविधान अपनाने वाला 10वां राज्य बना।
- 1941: फिनलैंड ने सोवियत संघ पर हमले की घोषणा की।
- 1947: एन फ्रैंक की डायरी ऑफ ए यंग गर्ल का प्रकाशन। इसकी करोड़ों प्रतियां बिकीं और इसका 67 भाषाओं में अनुवाद किया गया।
- 1950: उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच गृह युद्ध शुरू। इसने आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय शीत युद्ध का रूप ले लिया।
- 1975: इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की सलाह पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की। आपातकाल की बरसी 25 जून को देश में काला दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- 1998: अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन नौ दिन की यात्रा पर चीन पहुंचे।
- 1999: अमेरीका ने युगोस्लावियाई राष्ट्रपति स्लोबोदान मिलोसेविच की गिरफ्तारी की सूचना देने पर 50 लाख डालर के इनाम की घोषणा की।
- 2002: अफगानिस्तान में नए मंत्रिमंडल ने शपथ ग्रहण किया।
- 2004: रूस ने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने का निर्णय किया।
- 2005: ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में अति कट्टरपंथी माने जाने वाले महमूद अहमदी नेजाद की जीत।
- 2017: श्रीकान्त ने ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज का खिताब जीता।
- 1900: भारत के अंतिम वाइसराय लॉर्ड माउंटबेटन का जन्म।
- 1908: उप्र की पूर्व सीएम सुचेता कृपलानी का जन्म।

निशाना

करेंगे बेड़ा गर्क !

-कृष्णेन्द्र राय

सुन रहा ना कोई ।
जो कुछ कहते ट्रंप ।।
ना रही वो बात ।
हो जिससे भूकंप ।।
फायदे के खुद की ।
सोच रहे हर हाल ।।
बात में है दम ?
है इस पर सवाल ।।
मान चुकी ये दुनिया ।
करेंगे बेड़ा गर्क ।।
शायद बहुत जल्द ।
तय दिखना ये फर्क ।।
लो आए वो दुनिया को ।
आज ऐसे मोड़ ।।
दूर दूर तक इसका ।
ना दिखता है तोड़ ।।

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे

आपातकाल : लोकतंत्र का काला अध्याय

■ हितानंद शर्मा

आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपे गए 'आपातकाल' को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी। इस बार लड़ाई अपने ही दिग्भ्रमित सत्तालोलुप नेताओं से थी, जिसमें देश एक बार फिर विजेता बनकर उभरा था। पिछले कुछ वर्षों से कुछ विपक्षी नेता अक्सर संविधान की प्रति हाथ में लेकर भाषण देते दिखाई देते रहे हैं। बात-बात में संविधान की दुहाई देने का क्रम चल रहा है। भारत के स्वस्थि और मजबूत लोकतांत्रिक वातावरण में भी 'लोकतंत्र व संविधान बचाने' के लिए सभाओं के प्रहसन चल रहे हैं। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर यह अवसर है जब मुड़कर इतिहास को फिर से देखने की आवश्यकता है।

आपातकाल का निर्णय किसी युद्ध या आंतरिक विद्रोह के कारण नहीं बल्कि एक प्रधानमंत्री के लोकसभा चुनाव रद्द होने और अपनी सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया राष्ट्रर विरोधी निर्णय था। कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के इस क्रूरकाल में न केवल संवैधानिक ढांचे को कुचला बल्कि उसके द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को भी भंग किया गया।

1971 के आम चुनावों में श्रीमती इंदिरा गांधी ने रायबरेली से जीत तो हासिल की लेकिन उनके निकटतम उम्मीदवार राजनारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनाव में भ्रष्टाचार और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। इधर देश की अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में थी। आर्थिक विकास दर केवल 1.2त्न थी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (आज 640 बिलियन अमेरिकी डॉलर है)। महंगाई चरम पर थी। मुद्रास्फीति की दर 20त्न से भी ज्यादा थी। देश की 50त्न से ज्यादा जनता गरीबी रेखा के नीचे थी और जबरदस्त बेरोजगारी थी। भ्रष्टारचार की हालत ऐसी थी कि लाखों रुपए के घोटाले करने वाले मंत्री एवं सरकार से जुड़े नेताओं की रहस्म्य ढंग से हत्या हो रही थी। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्वं में देशव्या पी रेल हड़ताल हो चुकी थी। बिहार,

गुजरात में राष्ट्र पति शासन के बाद कांग्रेस चुनाव हार चुकी थी। इस सबसे कांग्रेस की केंद्र सरकार परेशान हो चुकी थी। 12 जून 1975 को न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने अपने निर्णय में इंदिरा गांधी की जीत को अवैध करार दिया और उन्हें 6 साल तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रह सकती थीं। उनकी कुर्सी को गंभीर राजनीतिक संकट खड़ा हो गया। तेजी से बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता से घबराकर इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर मंत्रिपरिषद् की अनुसंशा के बगैर ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल लगाने की सिफारिश की, जिसे राष्ट्रपति ने 25 जून 1975 की आधी रात को मंजूरी दे दी।

आज संविधान की प्रतियां हाथ में लहराने का नाटक करने वालों को यह स्मदरण रखना ही होगा कि आपातकाल वास्तथव में भारतीय लोकतांत्रिक व्यहवस्थाण को कुचलने का प्रयास था। यहय संविधान की हत्याा की सोची-समझी रणनीति थी। इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। जबकि न तो उस समय बाहरी आक्रमण या युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह ही हुआ था। आपातकाल किसी राष्ट्रीय संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ताा बचाने की जिद थी।

संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी थीं, किन्तु उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए एक झटके में उन्होंने लोकतंत्र को तानाशाही में बदलकर रख दिया और पूरी शासन व्यवस्था को कठपुतली की तरह उपयोग किया। कांग्रेस सरकार ने विधायिका और न्या यपालिका को बंधक बनाकर सत्ता् के आगे घुटने टेकने को विवश कर दिया था। प्रेस की स्वकतंत्रता पर कुठाराघात किया गया। बड़े-बड़े समाचार पत्र संस्थानों की बिजली काट दी गई। समाचार पत्रों के प्रकाशन पर सेंसरशिप लगा दी गई और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया।

21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। केंद्र के साथ-साथ अधिकतर राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया। मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया। जयप्रकाश नारायण, अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह जैसे अनेक वरिष्ठ विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों यहां तक कि छात्रों तक को जेल में बंद करा दिया। जेलों में अमानवीय यातनाएं दी गईं। बीमार होने पर दवाएं तक नहीं दी गईं। महिला बंदियों के साथ असम्मानजनक और अमानवीय व्यवहार किया गया। आरएसएस, जनसंघ, एवीबीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा कठोर दमन चक्र चलाया गया।

'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' जैसे नारों से आपातकाल के समय में कांग्रेस ने देश को व्यक्ति पूजा और परिवारवाद की प्रयोगशाला बना दिया। किसी भी संवैधानिक पद पर और निर्वाचित जनप्रतिनिधि न होने पर भी संजय गांधी देश की नीतियों पर निर्णय ले रहे थे। वह आपातकाल में सत्ता का वास्तविक केंद्र बन चुके थे। देश के नागरिकों पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज भी इसी परिवारवाद के सीमित सांचे में सिमटकर रह गई है। इंदिरा गांधी की तानाशाही का सबसे भयावह चेहरा यह था कि उन्होंने अपने पुत्र के माध्यम से सत्ता को वंशवाद की जकड़ में पूरी तरह से कैद कर लिया था। यह सत्ता लोलुपता ही थी कि कांग्रेस ने लोकसभा का कार्यकाल 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस समय साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उन्हीं की तरह लाखों स्वयंसेवकों ने आपातकाल विरोधी आंदोलन जारी रखा। रातों-रात रेलों में आपातकाल विरोधी पर्चे बांटे, मीसाबंदियों के परिवारों की देखरेख की, भूमिगत रहते हुए आंदोलन की गति बनाए रखी और कांग्रेस की सच्चायई घर-घर तक पहुंचाई। अंततः जनाक्रोश और नागरिकों के बढ़ते दबाव के कारण जनवरी 1977 में चुनावों की घोषणा हुई और मार्च 1977 में हुए चुनावों में जनता पार्टी को जबरदस्त समर्थन मिला। इंदिरा गांधी स्वयं रायबरेली से चुनाव हार गईं। लोकतंत्र फिर प्रतिष्ठित हुआ।

आपातकाल इतिहास की एक राजनीतिक घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि उस दूषित मानसिकता का प्रमाण है, जो संविधान और लोकतंत्र को केवल अपनी सत्ता पाने और बचाए रखने के लिए इस्तेमाल करती है। लोकतंत्र के साथ विश्वांसघात करने के बाद भी कांग्रेस ने न तो कभी माफी मांगी और न ही कोई पश्चाताप ही प्रकट किया।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जनता को अधिकार देने के लिए जिस संविधान का निर्माण किया, कांग्रेस ने उसी को हथियार बनाकर जनता के अधिकारों को छीना। स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब सरकार ने राष्ट्र के शत्रु नहीं राष्ट्र की जनता को ही बंदी बना लिया। आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय है। आपातकाल के समय को स्मरण करना इसलिए आवश्यक है, ताकि भविष्य में संविधान और लोकतंत्र को सुरक्षित रखा जा सके, क्योंकि यह प्रत्येक भारतीय का नैतिक दायित्व भी है।

(साभार : लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

आपातकाल लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला

■ विष्णुदत्त शर्मा

कांग्रेस का लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है। जब वह सत्ता से बाहर होती दिखाई देती है, वह संविधान और लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाने से नहीं चूकती। डॉ. राममनोहर लोहिया के ये शब्द 25 जून 1975 को उस समय सत्य सिद्ध हुए, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आज से 50 वर्ष पहले, 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। 1970 के दशक की शुरुआत में भारत गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा था। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और असंतोष के कारण सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा था। इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया।

इस फैसले के बाद देश भर में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गई। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया। इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया। कांग्रेस की संस्कृति रही है–परिवार पहले, संविधान बाद में।

'इंडिया इज़ इंदिरा' नारा कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था। एक व्यक्ति, एक परिवार को देश से बड़ा समझना ही कांग्रेस की वैचारिक विकृति है। आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया। 'इंदिरा इज़ इंडिया और इंडिया इज़ इंदिरा' जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि आलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया।

आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले में उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे। इससे देश की भावी पीढ़ी की सोच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के नाम परजबरन नसबंदी का अभियान चलाया। लाखों गरीब पुरुषों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए बाध्य किया गया। दिल्ली में तुर्कमान गेट जैसी घटनाओं में, जब लोगों ने इसका विरोध किया, तो गोली चलवा दी गई, जिसमें अनेक लोग मारे गए। इस दौरान हजारों झुग्गियाँ और बस्तियाँ उजाड़ दी गईं, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए।

वर्ष 1985 में लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा–÷आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था।÷ यह बयान बताता है कि कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं, केवल परिवार और सत्ता से प्रेम है। 21 महीनों तक देश को लोकतंत्र से वंचित रखकर कांग्रेस के एक परिवार की सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान का गला घोंटा गया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ने वालों को जेल में ठूंसा गया। लगभग 1 लाख 40 हजार लोगों को जेल में बंद किया गया और 22 कस्टोडियल डेथ हुईं। संविधान की आत्मा को कुचला गया। मीसा कानून में संशोधन कर प्राकृतिक न्याय की भावना का उल्लंघन किया गया।

कांग्रेस की प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी रही है–जो विरोध करे, उसे समाप्त कर दो। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लोकप्रिय नेता को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया गया। बाबा साहब अंबेडकर जैसे महापुरुष का कांग्रेस द्वारा निरंतर विरोध और अपमान किया गया। कांग्रेस ने संविधान में अब तक 75 बार संशोधन किए, कई संशोधन सत्ता को मजबूत करने हेतु थे। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया।1973 में वरिष्ठता की परंपरा को तोड़ते हुए जस्टिस अजीतनाथ रे को चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया- न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार था। मीसा कानून के ज़रिए निर्दोष लोगों को कैद किया गया- क्या यही कांग्रेस का न्याय है? शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटकर कांग्रेस ने करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के अधिकार छीन लिए। राजीव गांधी ने वोट बैंक के लिए संविधान के साथ सौदा किया, यही कांग्रेस की असली सोच है। राहुल गांधी संसद में संविधान की प्रति लहराते हैं, लेकिन 2013 में उसी संसद के अध्यादेश को फाड़ कर संविधान की अवमानना करते हैं।

कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वही कांग्रेस बार-बार संविधान को बेरहमी से कुचलती रही है। कांग्रेस के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा है – असली सत्ता नेहरू-गांधी परिवार के इर्द-गिर्द ही घूमती है। जहां कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेदों का उपयोग केवल सत्ता में बने रहने के लिए किया, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार हर अनुच्छेद के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाने की जागरूकता अभियान चला रही है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान देश को दिया, उसे कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए मोड़ा, तोड़ा और बदला। मोदी सरकार उसी संविधान को आधार बनाकर हर वर्ग के कल्याण और अधिकारों की गारंटी दे रही है– यही असली सम्मान है बाबा साहेब को। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता–ये चार स्तंभ सिर्फ किताबों में नहीं, आज मोदी सरकार में नीति और शासन का आधार बन चुके हैं। कांग्रेस ने इन सिद्धांतों को दिखावे की बातें बनाकर रखा, जबकि मोदी सरकार इन्हें नीति, योजना और क्रियान्वयन के स्तर पर सशक्त कर रही है।

लोकतंत्र सेनानियों का ही संघर्ष है जिसके परिणाम स्वरुप भारत में लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ। आज देश की प्रगति के पीछे लोकतंत्र सेनानियों का बलिदान आधार का पत्थर है। जिसके कारण लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ और 2014 में भाजपा के श्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व के रूप में भारत को महान नायक मिला जिनके नेतृत्व में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत व गहरी हुईं, तुष्टीकरण संतुष्टीकरण में बदला, पूरा भारत एक हुआ, आतंकवाद की कमर टूटी, 11 वीं अर्थव्यवस्था से देश विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना, सीमाएं सुरक्षित हुईं, माताओं बहनों के सम्मान की रक्षा हुई, भ्रष्टाचार, घपले, घोटालों का अंत हुआ, भारत ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया, विकसित भारत-2047 के संकल्प की सिद्धि के लिए रात दिन एक करके सघन प्रयास प्रारंभ कर दिया। आज जब हम अमृतकाल की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं, हमें यह संकल्प लेना होगा कि ऐसे काले दिन फिर कभी न लौटें। हमें अपनी संवैधानिक संस्थाओं को और सशक्त बनाना है, नागरिक अधिकारों की रक्षा करनी है और लोकतंत्र की नींव को और गहरा करना है। जो काम कांग्रेस ने दशकों तक नहीं किया, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की सरकार ने उसे धरातल पर उतार कर संविधान की आत्मा को सम्मान दिया। आपातकाल के विरुद्ध लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष, बलिदान रंग लाया और भारत माता के सम्मान की रक्षा करने में सफल रहा।

(साभार : लेखक भारतीय जनता पार्टी मप्र के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद हैं।)

स्टील से बने रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे महाप्रभु जगन्नाथ

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

वेत्रवती घाट स्थित नौलखी धाम पर विराजमान महाप्रभु जगन्नाथ भगवान इस बार रथ यात्रा के मौके पर स्टील से बने नए रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। रथ यात्रा के दौरान पुराने रथ की ऊंचाई कम होने के कारण श्रद्धालुओं को महाप्रभु के दर्शन नहीं हो पाते थे इसलिए स्टील का बड़ा रथ तैयार कराया गया है जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा में आसानी से बलभद्र और बहन सुभद्रा और महाप्रभु जगन्नाथ के दर्शन पूरे समय हो सकें। भक्तों के सहयोग से स्टील के रथ को नगर में ही तैयार कराया गया है।

रथ यात्रा की तारीख नजदीक आते ही तैयारियां जोरों पर

जगदीश रथ यात्रा की तारीख नजदीक आते ही तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। नगर में तीन रथ यात्राएं निकाली जाएगीं। नगर में रथ यात्रा का आयोजन 27 जून को किया जाएगा। वेत्रवती घाट स्थित नौलखी धाम पर पिछले वर्ष धूमधाम से महाप्रभु जगन्नाथ के नवीन विग्रह प्रतिष्ठित हुए हैं। जिन्हें भक्तों द्वारा 1200 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए जगन्नाथपुरी से नगर में लाया गया था। नए विग्रहों के लिए पुराना रथ छोटा पड़ रहा था इसलिए स्टील से बना नया रथ तैयार कराया गया है जिससे श्रद्धालुओं को आसानी से महाप्रभु के दर्शन हो सकें।

रथ पर बलभद्र, बहन सुभद्रा और महाप्रभु जगन्नाथ जी होंगे विराजमान

रथ में स्टील की बेहतरीन नक्काशी कराई गई है वही बलभद्र, बहन सुभद्रा और महाप्रभु जगन्नाथ जी को विराजमान करने के लिए तीनों के लिए अलग-अलग सिंहासन बनाए गए हैं। लोहे से बने हुए पुराने रथ की अपेक्षा स्टील से बना यह नया रथ आकर्षक बनाया गया है।

लोगों को महाप्रभु जगन्नाथ के दर्शन आसानी से होंगे

नौलखी के श्री महंत राम मनोहरदास जी महाराज ने बताया कि पिछले वर्ष रथ यात्रा के समय भक्तों ने बताया था कि पुराना रथ नए विग्रहों के अनुसार नहीं है और भगवान के नए विग्रह के दर्शन आसानी से नहीं हो रहे हैं रथ छोटा पड़ रहा है। इसलिए नया रथ तैयार करने की आवश्यकता महसूस हुई। स्टील से नया रथ भक्तों के सहयोग से तैयार हुआ है। रथ यात्रा के समय अब आसानी से छत पर से और सड़क पर भीड़ में भी हर किसी को महाप्रभु जगन्नाथ के दर्शन आसानी से होंगे।

कमिश्नर ने वीडियो कांफ्रेंस में कलेक्टर्स को दिए निर्देश

जल गंगा अभियान में 30 जून तक दिए गए लक्ष्य को पूर्ण करें : संभागायुक्त

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस में हरदा और बैतूल जिले के कलेक्टर्स एवं सभी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह 30 जून तक शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य के अनुरूप जल गंगा संवर्धन अभियान के सभी कार्य पूर्ण कर लेवे। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि वर्तमान में अभी 5 से 6 दिन शेष हैं। इन शेष दिनों में टीम लगाकर अतिरिक्त मेहनत कर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत तालाब, कूप रिचार्ज व पुराने जल स्त्रोत को पुनर्जीवित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी जिलों के विकास खंडो में एवं ग्राम पंचायत में जल संरक्षण एवं जल संरचनाओं के पुनर्निर्माण के लिए मेहनत से कार्य कर 30 जून तक हर हाल में लक्ष्य पूरा किया जाए। कमिश्नर ने कहा कि अतिरिक्त मेहनत से तीनों जिले टॉप 3 में अपनी पोजीशन बना सकते हैं।

कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स एवं नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जर्जर व जीर्ण शीर्ण शासकीय भवनों यथा स्कूल, छात्रावास, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र एवं अन्य सरकारी भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों से कोई जनहानि ना हो। यदि किसी प्रकार की जनहानि होगी तो संबंधित अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जर्जर भवनों को चिन्हित कर डिस्मेंटल करें

श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए की मूंग पंजीयन में किसानों को किसी भी तरह की परेशानी ना आए। उन्हें उनके नजदीक के उपार्जन केंद्र मिले। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर्स अपने अमले को समझाइश दे की फसल गिरदावरी करते समय श्री अन्न फसल जैसे कोदो, कुटकी, रागी फसल की गिरदावरी भी करें। अन्य फसलों के साथ श्री अन्न फसलों की गिरदावरी को पोर्टल पर अपलोड भी करें। बताया गया कि बैतूल जिले में 10 हजार 800 हेक्टे. में मूंग की फसल बोई गई है और लगभग अब तक 6 हजार किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। नर्मदापुरम जिले में 2 लाख 90 हजार हेक्टे. में मूंग की फसल लगाई गई है। वर्तमान में 43 हजार किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। हरदा जिले में 2 लाख 60 हजार हेक्टे. में मूंग का रकबा है। अब तक 17 हजार 125 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। कमिश्नर ने निर्देश दिए की संभाग की सभी तहसीलों एवं अनुविभागीय कार्यालय में ई

ऑफिस सिस्टम से कार्य किए जाएं। इसके लिए सभी तहसील एवं अनुविभागीय कार्यालय ऑन बोर्ड किए जाएं। सभी फाइल ई ऑफिस सिस्टम से ही लिए जाए। सभी प्रकार की ऑफलाइन मैन्युअल फाइल लेना बंद किया जाए।

श्री तिवारी ने लोक सेवा प्रदाय की गारंटी के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रगति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने लोक सेवा गारंटी में प्राप्त सीमांकन के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान में सीमांकन के प्रकरण निराकृत करने में लापरवाही बरती जा रही है। कमिश्नर ने कहा कि संबंधित आवेदक को निराकृत करने का पत्र जारी किया जा रहा है लेकिन वास्तव में धरातल पर सीमांकन नहीं किया गया है। कमिश्नर ने कहा कि यह स्थिति स्वीकार नहीं है। कमिश्नर ने कहा कि ऐसे दो प्रकरण उनके संज्ञान में आए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी सीमांकन के प्रकरण में किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरते और वास्तविक धरातल में मौके पर जाकर सीमांकन करने के बाद ही निराकरण का पत्र जारी करें। उन्होंने सीपीग्राम पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के भी समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। बताया गया की नर्मदापुरम जिले में 72 बैतूल जिले में 34 और हरदा जिले में 32 प्रकरण लंबित है। जिसमें से वर्ष 2023 के लंबित प्रकरण पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए कि लंबे समय से पेंडिंग प्रकरणों पर तत्काल कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगली बार वे सीपीग्राम पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की विस्तृत समीक्षा करेंगे। कमिश्नर श्री तिवारी ने संभाग के सभी एसडीएम एवं सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि वह बारिश से पूर्व शहर का भ्रमण कर जर्जर भवनो, नालों, नालियों में व्याप्त कचरा एवं गंदगी का अवलोकन करे एवं प्राथमिकता से नालों और नालियों की सफाई कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला बाढ़ आपदा समिति की बैठक करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के प्रस्ताव शासन को भिजवाने के निर्देश दिए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने एसी पीएचई विभाग को निर्देश दिए कि वे संभाग के सभी जिलों में भ्रमण करके यह देखें कि नलकूप एवं बोरवेल के गड्ढे खुले तो नहीं है। यदि ऐसी स्थिति है तो नलकूप और बोरवेल के गडडो को प्राथमिकता से ढाकना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि खुले गडडो से यदि कोई जनहानि हुई तो संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने एसी को निर्देश दिए की वह भ्रमण कर नल जल योजना अंतर्गत प्रतिदिन किये जा रहे हर घर नल कनेक्शन के नल कनेक्शन की स्थिति का परीक्षण करें और तेज गति से हर घर नल कनेक्शन करवाए.

कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की सभी शासकीय कार्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, शासकीय उचित मूल्य की दुकान एवं अन्य शासकीय संस्थाएं अपने निर्धारित समय पर खुलें और इन संस्थानों पर कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय से 5 मिनट पूर्व ही कार्यालय आए। कमिश्नर श्री तिवारी ने कहा कि सभी अपनी उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन, सार्थक एप या फेस आईडी मशीन के माध्यम से करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए कि वे सतत रूप से अपने आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण करें और आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की अदयतन स्थिति से अवगत हो।

पंपिंग स्टेशन परिसर में पौधारोपण किया

केएफडब्ल्यू प्रतिनिधिमंडल ने सीवरेज परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड परियोजना क्रियान्वयन इकाई नर्मदापुरम के अंतर्गत नर्मदापुरम नगर में संचालित जर्मन विकास बैंक केएफडब्ल्यू सहायतित सीवरेज परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए केएफडब्ल्यू का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल नर्मदापुरम पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल में केएफडब्ल्यू के वरिष्ठ अधिकारी लूकास मेस, रायनर क्रूस, राहुल मनकोटिया एवं मोहो चतुर्वेदी शामिल रहे। एमपीयूडीसी की ओर से परियोजना प्रबंधक राजेन्द्र खाडे, उप परियोजना प्रबंधक चंद्रशेखर कलवलकर, सीडीओ डॉ.अमित कुल्हार, सिविल अभियंता रौनक पोरवाल, उपयंत्री संदीप, परियोजना सलाहकार की ओर से टीम लीडर अभिनव गोयल, विशेषज्ञ युवा कार्तिक, अनुज दीक्षित, पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ सीमा श्रीवास्तव व छाया खले तथा संविदाकार एवं उनकी टीम की उपस्थिति रही। एक दिवसीय स्थल निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना के सभी प्रमुख घटकों का व्यापक अवलोकन किया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं क्रियान्वयन रणनीति की गहन समीक्षा करते हुए कार्यों की सराहना की। विशेष रूप से उन्होंने सीवरेज कनेक्शन को लेकर आम नागरिकों में जागरूकता फैलाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने निर्माणाधीन इंटरमीडिएट पंपिंग स्टैशन परिसर में पौधारोपण भी किया।

पॉलीटेक्निक में प्रवेश मेले का आयोजन, 127 छात्रों ने प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन कराया

नर्मदापुरम। आयुक्त- तकनीकी शिक्षा एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार दिनांक-24/06/2025 को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में विभिन्नी पाठ्यक्रमों में 10वीं एवं 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रवेश जागरूकता हेतु प्रवेश मेले का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की ओर से श्रीमति संपदा सराफ संयुक्त कलेक्टर मुख्य अतिथि के रूप में प्रवेश मेले में शामिल हुई जिसमें उन्होनें बच्चों को पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश लेकर तकनीकी शिक्षा के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार प्राप्त करने एवं देश में तकनीकी विकास को बढावा देने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में जिला समन्वय अधिकारी पी. के. पटवा जी द्वारा प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किया। प्रवेश मेले में अधिक संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए जिनमें 127 विद्यार्थियों ने प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन कराया।

आप की जीत पर बासौदा में मनाया जश्न

गंजबासौदा। आम आदमी पार्टी की गुजरात और पंजाब उपचुनाव में जीत पर स्थानीय आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जय स्तम्भ चौक पर आतिशबाजी कर मिठाई वितरित की। आम आदमी विधानसभा प्रभारी देवेंद्र केवट ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गुजरात से गोपाल इटालिया एवं पंजाब के लुधियाना में संजीव अरोड़ा ने जीतकर पूरे देश में तहलका मचा दिया है। आम आदमी पार्टी विधानसभा गंजबासौदा की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। इस ऐतिहासिक जीत से यह साबित हो गया है कि आम आदमी पार्टी ही देश का भविष्य है। और वहां के लोगों ने काम की राजनीति को चुना और उन्हें वोट दिया। देवेन्द्र केवट ने कहा कि अब आम आदमी पार्टी आने वाले सभी चुनाव पूरे देश में सभी सीटों पर पूरी मजबूती से लड़ेगी और एक दिन देश में आम आदमी पार्टी की सरकार होगी। आम आदमी पार्टी आम जनता के मुद्दों पर काम करती है ! जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और रोजगार। गुजरात और पंजाब के लोगों ने आम आदमी पार्टी पर भरोसा किया है। और आम आदमी पार्टी उनके भरोसे को हमेशा कायम रखेगी। हम काम की राजनीति करने आए हैं और काम की राजनीति ही करते रहेंगे।

अवैध उत्खनन परिवहन भण्डारण के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

तीन ट्रेक्टर-ट्राली, तीन डम्पर जप्त

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अवैध उत्खनन/परिवहन/भण्डारण के विरुद्ध खनिज, राजस्य एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग द्वारा गत दिवस ग्राम-सुरेलारंधीर, तह0-बनखेड़ी से 01 ट्रेक्टर ट्राली को रेत का अवैध उत्खनन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना बनखेड़ी की अभिरक्षा में रखा गया। इसी प्रकार डोलरिया से 01 डम्पर क्रमांक एम.पी.04एच.ई.4817 को गिट्टी का ओवरलोड परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना डोलरिया की अभिरक्षा में रखा गया है। ग्राम बरूआढाना, तहसील-सोहागपुर से 02 डम्पर क्रमांक-एम.पी.05 जेड.ई.8954, एम.पी.05जी8934 को मुरूम / मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एवं ग्राम अजबगांव, तह0-सोहागपुर से 02 ट्रेक्टर ट्राली को रेत का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना सोहागपुर की अभिरक्षा में रखा गया है।

उक्त कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर अनिल जैन, नायब तहसीलदार सोहागपुर रंजीत चौहान, खनि निरीक्षक नर्मदापुरम पिंकी चौहान, प्र0 खनि निरीक्षक कृष्णकांत सिंह परस्ते, सिपाही खनिज श्री हेमन्त राज एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा।

उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

रतलाम में 27 को आयोजित होगा राज्य स्तरीय RISE कॉन्क्लेव

नर्मदपुरम। प्रदेश में स्वरोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन 27 जून 2025 को रतलाम जिले में राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में कॉन्क्लेव का सीधा प्रसारण रेवा सभाकक्ष, कलेक्टरेट कार्यालय में प्रातः 11 बजे शुरु होगा।

कार्यक्रम का संचालन कलेक्टर के निर्देशानुसार किया जाएगा। जिसमें संबंधित विभागों, बैंकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। साथ ही इस अवसर पर केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न स्वरोजगार और रोजगार मूलक योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री मुद्रा योजना , प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम , राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन , राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन , PMFME योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, सावित्रीबाई फुले स्व-सहायता योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक उद्यम/स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू स्वरोजगार योजना के अंतर्गत लाभन्वित हितग्रहियों को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से हितलाभ वितरण पत्रक प्रदान किए जाएंगे।

मेट्रो एंकर अनुविभागीय स्तर पर आयोजित जनसुनवाई में भी किया जा रहा आम नागरिकों की समस्या का समाधान

जनसुनवाई में प्राप्त 95 आवेदनों का सिटी मजिस्ट्रेट से सानिध्य में समाधान

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 95 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र सिंह रावत ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 95 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली। जनसुनवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर डॉ बबिता राठौर एवं एसडीएम नीता कोरी, सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान श्रीमती तुलसा बाई, निवासी वार्ड नंबर 33 नर्मदापुरम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण के लिए सहायता दिलाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया। एक अन्य मामले में ग्राम सुआ खेड़ी तहसील माखन नगर के आवेदन कर्ता चंपालाल यादव आत्मज शंकर लाल यादव ने जनसुनवाई आवेदन देते हुए कृषि भूमि मे सीमांकन हेतु आवेदन दिया।

एक अन्य मामले में तहसील माखन नगर निवासी कपिल तिवारी स्वर्गीय सुरेंद्र चंद तिवारी ने जमीन में नाम त्रुटि सुधार एवं नामांतरण कि समस्या के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार सिटी मजिस्ट्रेट श्री रावत ने अन्य समस्याओं का भी समाधान किया।

सोहागपुर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 08 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें खसरा दुरुस्ती, सीमांकन, नामांतरण आवास योजना से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सभी समस्याओं का समाधान कर अधिकारियों को निर्देश दिये गये। जनसुनवाई के दौरान उपस्थित आवेदनकर्ता श्रीमती बसंती बाई केवट एवं भाई साहब केवट, जो कि दृष्टिबाधित हैं, पूर्व में ग्राम पंचायत रेवा बनखेड़ी में निवासरत थे जो कि वर्तमान में ग्राम पंचायत माचा में निवासरत हैं। उन्होंने जनसुनवाई में उपस्थित होकर राशन दुकान में नामांतरण/संशोधन की मांग की थी, जिससे उन्हें उनके नवीन निवास स्थान पर उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त हो सके। जनसुनवाई के दौरान ही हितग्राहियों की राशन कार्ड मैपिंग ग्राम पंचायत माचा में कर दी गई है। परिणामस्वरूप अब से उन्हें आगामी माह से ग्राम माचा की उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्रदाय किया जाएगा। इसी प्रकार अनुविभाग स्तर सिवनी मालवा में भी आयोजित जनसुनवाई में 6 आवेदन प्राप्त हुए। अनुविभागीय अधिकारी सिवनी मालवा द्वारा सभी समस्याओं का समाधान किया गया।

बरसात में सफाई कर्मी और आम जनता होगी परेशान

नगर पालिका के गले की हड्डी बनेंगे शहर के आधे-अधूरे नाले

ठेकेदार सामान बटोर कर रफू चक्कर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आम जनता की सुविधा के लिए करोड़ रुपए की राशि तो खर्च हो रही है पर उसका फायदा होते हुए दिखाई नहीं दे रहा है जो काम एक महीने पहले पूर्ण होने थे वह काम बरसात प्रारंभ होने पर भी नहीं हो पाए हैं। जिस दिन तेज बरसात हो जाएगी उसी दिन आपात खड़ी हो सकती है पानी नहीं निकलेगा तो लोगों के घरों में प्रवेश कर जाएगा कुछ लोगों के मकान नाले से लगकर बने हुए हैं जहां पर खुदाई करके काम अधूरा छोड़कर ठेकेदार सामान बटोर का रफू चक्कर हो गया पुनः काम शुरू करने की बात तो नगर पालिका के अधिकारियों से कह रहा है पर काम आज तक फिर से प्रारंभ किया पिछले 15 दिनों से छतरी से लेकर कस्टम पथ वाले नाले का निर्माण बंद पड़ा हुआ है इस नाले पर कई लोगों के मकान बने हुए हैं इस वजह से इन लोगों की चिंताएं बड़ी हुई है पानी निकलने की व्यवस्था क्लियर

नहीं है जगह-जगह पानी रुक रहा है अभी जब यहां हालात है तो जिस दिन बारिश होगी उसे दिन इस नाले में से पानी नहीं निकल पाएगा इस समस्या से निपटने के लिए नगर पालिका परिषद सीएमओ अपने कर्मचारियों को इस काम में लगाकर पानी निकालने की व्यवस्था करने की बात कर रहे हैं। जहां-जहां पानी रुक रहा है बड़ी पोकलेन मशीन से पानी की लाइन बनाकर इस समस्या को दूर करने की बात की जा रही है। इस काम को करने में थोड़ी भी लापरवाही हुई तो बड़ी समस्या यहां पर रहने वाले लोगों को झेलनी पड़ेगी भवानी ,नगर गौरव नगर छतरी चौराहे आदि क्षेत्र का पानी इस नाले में से जाता है अधूरे कार्य के कारण पानी भी नहीं निकल पाएगा तो लोगों के घरों में पानी भरने की स्थिति भी निर्मित हो सकती है सबसे बड़ी चिंता लोगों को यह सता रही है कि अधिक बारिश हो गई उस दिन क्या हालात बनेंगे। उसको देखते हुए काम नगर पालिका परिषद समय स पहले धरातल पर काम करवाना होगा दूसरी और बीच मझधार में कार्य छोड़कर जाने वाले ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करके अधूरा काम छोड़ने पर प्रकरण भी दर्ज करवाना होगा क्योंकि ठेकेदार ने घटिया कार्य किया था इस वजह से दीवाल गिर गई थी उसकी शिकायत हुई तो ठेकेदार ने अपना काम अधूरा छोड़ दिया और यहां से चलते बने इसकी मनमर्जी की सजा लोगों को उठानी पड़ेगी टेंडर की शर्तों का उल्लंघन भी ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है।

इसी तरह मंडी बाईपास रोड बासौदा रोड के नालों को भी बनाने में ठेकेदार के द्वारा लापरवाही की जा रही है अधिकारियों को यह काम भी तेज गति से करवाना होगा नहीं तो बारिश के दौरान यहां भी पानी निकासी के की परेशानी उत्पन्न होगी दूसरी ओर पालीवाल कॉलोनी के नाले का काम तो कई महीनो से बंद पड़ा हुआ है पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा कई बार नाल बनवाने की मांग को लेकर कलेक्टर , एसडीम से लेकर विधायक और नगर पालिका के अधिकारियों को ज्ञापन भी दे चुके हैं ।सके बाद भी इस नाले का कार्य नहीं हो पा रहा है आखिर ऐसा क्यों हो रहा है कि काम लेकर ठेकेदार समय सीमा में निर्माण कार्य नहीं कर रहे हैं ऐसे ठेकेदारों पर सख्त कदम नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को उठाने होंगे तभी ऐसे ठेकेदार मानेंगे नहीं तो काम लेकर नगर पालिका और जनता को इसी तरह परेशान करते रहेंगे पैसे खर्च होने का फायदा भी लोगों को नहीं मिल पाएगा यदि इन नालों का कार्य समय सीमा में हो जाता और एक दूसरे से कनेक्ट हो जाते तो इससे पानी निकासी की जो समस्या उत्पन्न होती है वहा भी दूर हो जाती पर इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

इनका कहना है

ठेकेदार एक-दो दिन में काम पुनः प्रारंभ करने की बोल रहा है पर हम पानी निकासी की जो समस्या नाले में बन रही है उसको अपने स्तर पर दूर करवाते हैं बीच में कहीं पानी ठहरेगा नहीं निरंतर पानी निकालता रहेगा ऐसा कार्य करवाएंगे।

– राम प्रकाश साहू
मुख्य नपा अधिकारी

अवैध कॉलोनी में प्लांट लेने वालों को नहीं मिलेगा पीएम आवास योजना का लाभ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अवैध रूप से कॉलोनी काटकर जनता को मूर्ख बनाने वालों पर सरकार के द्वारा शिकंजा कसना प्रारंभ कर दिया है। इन कॉलोनी में प्लांट लेकर मकान बनाने वाले लोगों प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलेगा इसीलिए इन अवैध कॉलोनी में प्लांट खरीदी करने से बच्चे। दूसरी ओर जो अवैध कॉलोनी में प्लाट खरीद कर मकान बनाने की तैयारी कर रहे हैं वहां ठहर जाएं नगर पालिका के अधिकारी से बात करके ही काम करें।गलती से इस काम को करवा लिया तो इनसे वसूली भी शासन के द्वारा की जाएगी इस बात की जानकारी लगते ही आवाज बनाने वाले लोग चिंतित हो रहे हैं एक तरफ से अच्छी पहेली है कि अवैध कॉलोनी की सख्या में कमी आएगी लोगों इनके झांसे में आने से बचेंगे एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि अवैध कॉलोनी में प्लांट लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर बनाने का कार्य किया जाता है योजना का लाभ नहीं मिलेगा इसीलिए इन कॉलोनी में प्लाट खरीद कर गलती ना करें इसके संबंध में भी शासन से आदेश भी प्राप्त हो गए हैं । इसकी जानकारी लगते है जिन लोगों ने अवैध कॉलोनी में प्लांट लेकर आवास योजना के अंतर्गत मकान बनाने का कार्य शुरू कर दिया है कुछ लोग बनाने का विचार कर रहे हैं वहां जरूर इस निर्णय से चिंतित हो गए हैं ।इसके अलावा भूमाफियाओं के लिए भी परेशानी खड़ी हो गई है इनके प्लांट बिक्री घटेगी वैसे ही कलेक्टर और एसडीएम के द्वारा 30 से अधिक अवैध कॉलोनियों को विक्रय से प्रतिबंध कर दिया है। इन कॉलोनीयों को काटने वाले कॉलोनाइजर भी परेशान हो रहे। हमारे संवाददाता ने भी लगातार अवैध रूप से कॉलोनी बनाने वालों भूमाफियाओं की पोल खोलने का कार्य करके आम जनता को जागरूक करने तथा अधिकारियों के संज्ञान में लाने का कार्य करके अपनी भूमिका निर्भीक रूप से निरंतर कर रहा है । खबर के बाद कई अबैध कॉलोनियों पर करवाई हुई है कुछ पर गतिशील चल रही हैं । लोगों को भी समझदारी का परिचय देना होगा अवैध कॉलोनी बनाने वालों से सचेत रहें सभी दस्तावेज होने पर ही इनसे प्लाट खरीदेंगे तो वेध कॉलोनी भी बनने लगेगी अवैध कॉलोनी का खेल बंद हो जाएगा।

कलेक्टर श्री गुप्ता से सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर ने सौजन्य भेंट की

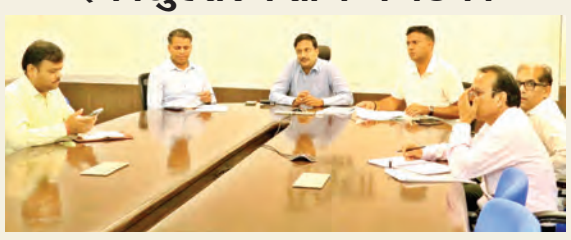

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अशुंल गुप्ता से आज उनके चेंबर में विदिशा जिले के सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स ने सौजन्य भेंट की। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट से जिले में प्रचार-प्रसार सहित अन्य आवश्यक कार्यों का संपादन कर रहे सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर ने कलेक्टर श्री गुप्ता को किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को नशामुक्ति और स्वच्छता के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने के कार्यों पर जोर दिया। कलेक्टर ने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर द्वारा विदिशा जिले के नागरिकों तक आवश्यक जानकारी व योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सभी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को जिले के विकास कार्यों के लिए सुझाव तथा और क्या-क्या नवाचार किये जा सकते हैं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए सभी को शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

किसान खरीफ फसल की बोनी में जुटे मक्के का बड़ा रकबा

सिरोंज। पिछले दिनों से हल्की बारिश का दौर जारी था मंगलवार को बारिश रुकने के साथ ही किसानों ने खरीफ फसल की बोनी का काम में तेजी कर दिया है। जमीन की जुताई के बाद फसल लगाने का काम भी किसानों के द्वारा दिन-रात किया जा रहा है ।इस समय कुछ ग्रामों में पानी गिर गया है कुछ ग्राम में पानी नहीं गिरा है उन ग्रामों के कृषक पानी गिरने का इंतजार कर रहे है। वहीं जहां पर पानी गिर गया है वहां पर जरूर फसल लगाने में यहां लगे हुए बरसाती फसल लगाने के लिए कम समय मिलता है इस वजह से जिन ग्रामों में काम बारिश हुई है उन ग्राम में काम चल रहा है। दूसरी ओर लगातार सोयाबीन की खेती से किसानों को नुकसान हो रहा है इस वजह से इस बार मक्का की और किसानों का रुझान बढ़ गया है इस फसल को ज्यादातर किसान कर रहे हैं इस वजह से इसके रकबे में भी भारी वृद्धि देखने को मिल रही है। मक्का के बीज की मांग भी अधिक हो रही है। मंगलवार को बादलों की लुका छुपी के कारण उमस के कारण जरूर लोगों को परेशानी हुई।

'एक पेड़ मां के नाम' के तहत मजिस्ट्रेट कॉलोनी में हुआ पौधरोपण

सिरोंज। विदिशा जिले के कालापाठा में नवनिर्मित मजिस्ट्रेट कॉलोनी परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन, विशेष न्यायाधीश जीसी शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितेन्द्र सिंह तोमर के अलावा वन मण्डलाधिकारी श्री हेमंत यादव सहित अन्य अधिकारियों ने पौधेरोपण कार्य में सहभागिता निभाई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री तोमर ने बताया कि जज एन्क्लेव में वन विभाग के समन्वय से पंच-ज-अभियान एवं जल गंगा संवर्धन अभियान तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान पर्यावरण को बचाए रखने के लिए पौधो की महत्वता को रेखांकित किया गया। एक पेड़ मां के नाम तहत विभिन्न प्रकार के फलदार पौधो का रोपण कार्य कालोनी परिसर में किया गया है जिसमें आम, अमरूद, जामुन सहित अन्य प्रजाति के पौधे शामिल है।

जनसुनवाई में आए 174 आवेदन, 96 मौके पर ही निपटाए, शेष पर कार्यवाही के दिए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर गुप्ता स्वंय आवेदको को प्रदाय की जा रही सुविधाओं का जनसुनवाई कार्यक्रम अवधि के दौरान उन काउंटरो पर पहुंचकर मौजूद आवेदको और व्यवस्थाओं का क्रियान्वित करने वाले अमले से संवाद कर नवाचारो के प्रति आवेदको का क्या रूझान है से मुखातिब हो रहे है।

मंगलवार 24 जून को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 174 आवेदको ने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं की ओर कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराया है। कलेक्टर द्वारा मौके पर 96 आवेदनो का निराकरण किया गया शेष लंबित आवेदनो पर समय सीमा में कार्यवाही कर निराकरण की जानकारी जन आकांक्षा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों को दिए गए है। कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोड़िया के अलावा

संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, स्थानीय एसडीएम के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारियों ने पंक्तिबद्ध रो में बैठकर आवेदको से प्राप्त होने वाले आवेदनो के निराकरण की पहल की गई है। जनसुनवाई में आने वाले आवेदको को अनेक प्रकार की सुविधाएं मौके पर उपलब्ध कराई जा रही है।

जनसुनवाई कार्यक्रम में अपनी समस्या के समाधान हेतु आने वाले आवेदक अब इधर उधर भटके ना और अपनी बारी के इंतजार में खडे ना रहे इसके लिए जनसुनवाई कक्ष गैलरी में दोनो और पचास-पचास कुर्सियां लगाई जाती है इन कुर्सियों पर आवेदक सुगमता से बैठते है। आवेदको के लिए पीने के पानी हेतु आरो की व्यवस्था भी क्रियान्वित की गई है। जनसुनवाई में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो के अनेक समस्याग्रस्त आवेदक आते है जिनके हाथ में आवेदन नहीं होता है। बिना आवेदन के कार्यवाही संभव नहीं हो सकती है इसके लिए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा जनसुनवाई कक्ष के समीप ही आवेदन लिखने के लिए दो कर्मचारी तैनात किए गए है जो आवेदको से मुखातिब होते है और दो प्रतियो में उनकी समस्याओं को रेखांकित करने वाला आवेदन लिखकर देते है जिसमें आवेदक का पता व मोबाइल नम्बर भी विशेष तौर पर अंकित किया जाता है। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान 12 आवेदको ने उक्त सुविधा का लाभ लिया है।

जनसुनवाई में आवेदको के आवेदनो की प्राप्ति के आधार पर उन्हें पंजीयन नम्बर दिया जाता है और किस विभाग से संबंधित आवेदन है को रेखांकित किया जाता है। ततपश्चात आवेदक जनसुनवाई कक्ष में पहुंचकर कलेक्टर अथवा अन्य अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या से अवगत कराते हुए आवेदन देते है। आवेदन प्राप्ति के उपरांत समस्या निराकरण हेतु किस विभाग को निर्देशित किया जाना है का रिमार्क अंकित कर संबंधित विभाग को आवेदन प्रदाय किया जाता है। वहीं आवेदक के द्वारा दिए गए आवेदन की पावती भी पंजीयन काउंटर पर प्रदाय की जाती है जिसमें इस बात का भी उल्लेख रहता है कि आवेदन किस विभाग को प्रेषित किया गया है।

पात्र एवं अपात्र आवेदकों की सूची बेवसाइट पर अपलोड

सिरोंज। विदिशा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि लीगल एंड डिफेंस काउसिंल अंतर्गत कार्यालय स्टाफ (रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय सहायक) के एक-एक पदो पर संविदा आधार पर अर्ह पाए गए आवेदकों के चयन हेतु पांच जुलाई को प्रातः नौ बजे से रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एन्ट्री आपरेटर के पद का टाइपिंग टेस्ट एवं ढाई बजे से कार्यालय सहायक के पद का टाइपिंग टेस्ट का आयोजन जिला न्यायालय विदिशा मप्र पर किया गया है। संविदा आधार पर भृत्य के एक पद हेतु अर्ह पाए गए आवेदकगणो का साक्षात्कार 19 जुलाई को प्रातः 9.30 बजे से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एडीआर सेन्टर विदिशा में रखा गया है। पात्र आवेदकगण की सूची परीक्षा आयोजित किए जाने का दिनांक व समय तथा जारी सूचना पत्र आवेदकगण को सूचित किए जाने हेतु माननीय उच्च न्यायालय मप्र जबलपुर एवं जिला न्यायालय विदिशा की बेवसाइट पर अपलोड किया गया है।

ग्राम बत्तीसा में मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंची, पीवीटीजी नागरिकों तक पहुंचा स्वास्थ्य लाभ

सिरोंज। विदिशा जिले के पीवीटीजी ग्रामों में निवास रात जनजातीय वर्ग के नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा कार्य किये जा रहे हैं। इसी के तहत आज ग्राम बत्तीसा में मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचाई गई थी, जिसके माध्यम से सहरिया जनजाति वर्ग के नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया है। उपस्थित जन समुदाय के द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोगों कघ जांच कराई और रोगोपचार हेतु आवश्यक दवाएं निशुल्क प्राप्त की हैं। गौरतलब हो कि पीवीटीजी ग्रामों में मोबाइल मेडिकल यूनिट कार्य कर रही हैं, जो जीपीएस लेस यूनिट है। इस मोबाइल मेडिकल यूनिट में सक्शन मशीन, कान के जांच की ऑटोस्कोप, एक्सरे मशीन, स्ट्रेक्चर, ऑक्सीजन सिलेंडर इत्यादि उपकरण होते हैं। साथ ही एक-एक डॉक्टर, नर्स, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, लैब टेकनीशियन उपस्थित होते हैं और फिजियोथेरेपी मरीजों को भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इस मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से मरीजों को 65 प्रकार की दवाएं निशुल्क प्रदाय की जा रही हैं।

तहसील कार्यालय में बनाया कंट्रोल रूम 24 घंटे करेगा काम

सिरोंज। बरसात के दौरान किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए तहसील कार्यालय में एसडीएम हर्षल चौधरी ने शासन के निर्देश पर कंट्रोल रूम स्थापित किया है यहां 24 घंटे कार्य करेगा यहां पर दो कर्मचारी परमानेंट तैनात रहेंगे साथ ही प्रशासन ने एक और अच्छा उठाते हुए बरसात के दौरान जिन पुल तथा पुलिया चढ़ जाती जाती है इसी बीच कई लोग पानी में से निकलने का कार्य करते हैं उस समय कई बार दुर्घटना भी घटित हो जाती है इनकी रोकथाम के लिए एसडीएम ने दाल बनाया है इसमें संबंधित हल्के से पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं चौकीदार मिलकर टीम बनाई है इन स्थानों की निगरानी करेगी पानी ऊपर होने पर किसी को यहां से जाने नहीं देगी। इन पुल-पुलियों को पहले से ही चिन्हित कर लिया गया है इसके अलावा किसी भी तरह की समस्या परेशानी आने पर तत्काल कंट्रोल रूम में सूचना देखकर सहायता ले सकते हैं यह पूरे समय कार्य करेगा हर संभव सहायता भी यहां से उपलब्ध कराई जाएगी बरसात में किसी भी तरह समस्या होने उससे निपटने के सभी इंतजाम किए गए हैं।

मेट्रो एंकर अटारी खेजड़ा के अंशुल विश्वकर्मा का वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर एवं भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयन हुआ

कलेक्टर ने वायु सेवा में चयनित होने पर शुभकामनाएं दी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर एवं भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित होने पर चयनित अभ्यर्थी अंशुल विश्वकर्मा को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और बधाई दी है।

ग्यारसपुर ब्लॉक के ग्राम अटारी खेजड़ा के अंशुल विश्वकर्मा पुत्र बंशीलाल विश्वकर्मा का चयन बहुप्रचलित परीक्षा एएफसीएटी में ऑल इंडिया रैंक 67 के साथ

भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर एवं एसएससी (टेक्निकल) से भारतीय सेना में ऑल इंडिया रैंक 25 के साथ लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है।

22 वर्षीय अंशुल ने बताया की उन्हें यह सफलता सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) के 8वे एवं 9वे प्रयास में मिली। वे बचपन से ही वायु सेना में पायलट बनना चाहते थे। इसकी तैयारी उन्होंने 2019 से शुरू की ओर इन 6 सालों में 15 बार विभिन्न परीक्षाएं दी जिनमें यूपीएससी एनडीए, यूपीएससी सीडीएस, एएफसीएटी शामिल हैं पर किसी कारणवश इंटरव्यू में चयन नहीं हो पाया, पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

लिखित परीक्षा के बाद बाद 5 दिन का एसएसबी टेस्ट हुआ। जिसे पास करने के बाद मेडिकल होता है और फिर मेरिट लिस्ट जारी होती है। इतनी असफलताओं और 6 साल की मेहनत के बाद देश में सबसे कठिन माने जाने वाले एसएसबी इंटरव्यू में दो बार सफलता हासिल की। उन्होंने इसका पूर्ण श्रेय उनके माता पिता को दिया है। जिन्होंने इतनी लंबी तैयारी और असफलताओं में अंशुल का समर्थन किया। अंशुल के पिता शिक्षक है और शासकीय हाई स्कूल सियासी में पदस्थ हैं।

कप्तान शुभमन गिल का छलका दर्द, ओपनिंग पार्टनरशिप ने मैच छीन लिया

लीड्स टेस्ट में हार के लिए निचले क्रम के बल्लेबाजों को ठहराया जिम्मेदार

लीड्स, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर 20 से 24 जून तक खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम को 5 विकेट से पराजय का मुंह देखना पड़ा। जीत के चलते मेजबान इंग्लैंड अब पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो चुका है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा।

लीड्स टेस्ट मैच में भारतीय टीम के पास जीत का मौका था, लेकिन खराब फील्डिंग, लोअर ऑर्डर के बल्लेबाजों की खराब बैटिंग और कमजोर गेंदबाजी ने टीम की लुटिया डुबो दी। हार के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दर्द छलक पड़ा। शुभमन ने हार के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराया। शुभमन ने कहा कि वो 430 रनों के करीब का स्कोर देना चाह रहे थे, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया। शुभमन का मानना था कि दूसरी पारी में इंग्लैंड की ओपनिंग पार्टनरशिप ने मैच छीन लिया। शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा, यह एक बेहतरीन टेस्ट मैच था। हमारे पास भी मौके थे, लेकिन हमने कैच छोड़े और हमारे निचले क्रम के बल्लेबाजों ने ज्यादा योगदान नहीं दिया। फिर भी टीम पर गर्व है और कुल मिलाकर देखें तो हमने अच्छा प्रयास किया। कल तक हम सोच रहे थे कि 430 तक पहुंचेंगे और पारी घोषित कर देंगे। दुर्भाग्यवश हमारे आखिरी 6 विकेट 20-25 रन ही जोड़ पाए, जो कभी भी अच्छा संकेत नहीं होता। उनकी शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप के बावजूद मुझे लगा था कि हमारे पास अब भी मौका

है, लेकिन यह मैच हमारे पक्ष में नहीं गया।

पहली पारी में भारतीय टीम के आखिरी 7 विकेट 41 रन पर गिर गए। जबकि दूसरी पारी में उसके आखिरी 6 विकेट 31 रन पर गिरे। इसे लेकर शुभमन गिल ने कहा, हमने इस बारे में चर्चा की थी, लेकिन जब आप मैदान पर होते हैं तो सब कुछ बहुत जल्दी होता है। मुझे लगता है यह उन चीजों में से एक है जिसे आने वाले मैचों में सुधारना होगा। निश्चित रूप से ऐसे विकेट्स पर मौके आसानी से नहीं मिलते। हमने कुछ कैच छोड़े, लेकिन हमारी टीम युवा है और अब भी सीख रही है। उम्मीद है कि आने वाले मैचों में हम इन पहलुओं पर सुधार करेंगे।

शुभमन गिल कहते हैं, पहले सेशन में जब हमने गेंदबाजी की तो हम काफी सटीक थे। हमने ज्यादा रन नहीं दिए, लेकिन जब गेंद पुरानी हो जाती है तब रन रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है और गेम में बने रहने के लिए लगातार विकेट लेने होते हैं। कुछ गेंदें बल्ले के किनारे से लगकर फील्डर्स के पास नहीं गए, हमारे पक्ष में चीजें नहीं हुईं। उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की, खासकर जब गेंद पुरानी हो गई तो उन्होंने चांस लिए। उनकी ओपनिंग पार्टनरशिप ने हमसे मैच छीन लिया।

जडेजा की तारीफ, बुमराह पर भी दिया बयान

शुभमन गिल ने आगे कहा, उन्होंने (रवींद्र जडेजा) शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने हमारे लिए कुछ मौके भी बनाए, जैसे कि कुछ कैच (पॉप-अप) जो ऋषभ पंत नहीं ले पाए। क्रिकेट मैच में ऐसा होता है, आप उम्मीद करते हैं कि कुछ मौके आपके पक्ष में नहीं जाएंगे। जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता पर शुभमन गिल ने कहा, यह मैच दर मैच देखा तय होगा। इस टेस्ट मैच के बाद एक अच्छा ब्रेक मिला है, तो जब अगला मैच नजदीक आएगा, तब हम देखेंगे।

आईसीसी ने पंत को फटकार लगाई

हेडिंग्ले में बॉल नहीं बदलने पर अंपायर पर भड़के थे, दिया एक डिमेरिट पॉइंट

हेडिंग्ले , एजेंसी

टीम इंडिया के उप कप्तान ऋषभ पंत को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने फटकार लगाई है। साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर है। वे हेडिंग्ले टेस्ट में तीसरे दिन बॉल बदलने के लिए फील्ड अंपायर से भिड़ गए थे। काउंसिल के मुताबिक पंत ने कउउ कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 का उल्लंघन किया है और इसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। पेनल्टी के तहत कोई आर्थिक जुर्माना नहीं लगाया गया है। पंत लिए यह 24 महीने की अवधि में पहला अपराध था।

पंत ने अपनी गलती मान ली है और आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच के रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा उन पर लगाई गई सजा को भी स्वीकार कर लिया है।

मुकाबले के तीसरे दिन हुई थी घटना इंग्लिश पारी के 61वां ओवर मोहम्मद सिराज डालने आए। ओवर की तीसरी बॉल की बाद बुमराह ने बॉल को लेकर अंपायर से शिकायत की। अंपायर से गेंद को बॉल चेकर (गेज) में डालकर जांचने को कहा। हालांकि, गेंद पास हो गई। इसके बाद ओवर की पांचवीं बॉल पर हैरी ब्रूक ने आगे निकलकर चौका लगा दिया। इसके बाद पंत ने भी गेंद को लेकर दूसरे अंपायर से शिकायत की। गेंद एक बार फिर गेज टेस्ट में पास हो गई, लेकिन पंत इससे नाराज दिखे। उन्होंने गुस्से में गेंद को दूर फेंक दिया। गेज टेस्ट में बॉल की साइज नापी जाती है। क्या कहता है कोड ऑफ कंडक्ट का नियम आईसीसीकोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पॉइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है। लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है।

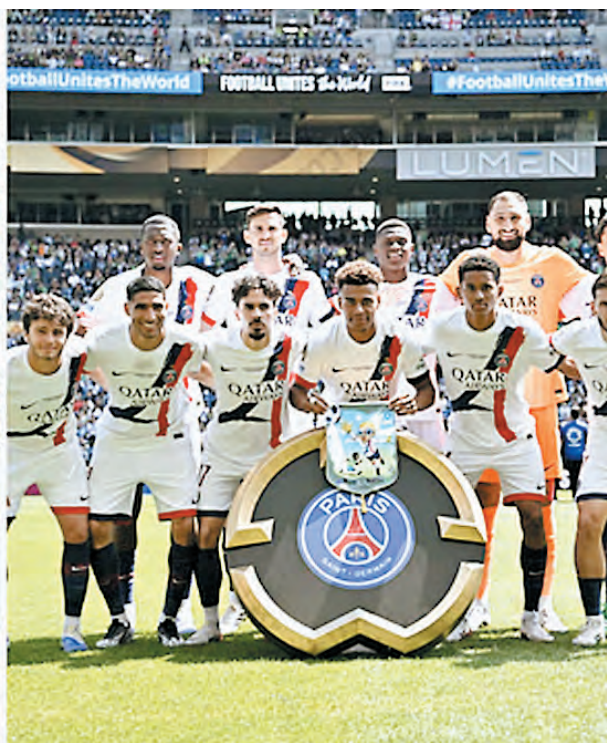

फीफा क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट एटलेटिको बाहरस इंटर मियामी और पाल्मेरास भी अगले दौर में

पीएसजी क्लब विश्व कप के अंतिम 16 में

सिएटल , एजेंसी

यूरोप के शीर्ष क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सिएटल साउंडर्स को 2-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। वहीं, पाल्मेरास ने हार्ड रॉक स्टेडियम में इंटर मियामी के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला, जिससे दोनों टीम क्लब विश्व कप फुटबॉल टूनार्मेंट के अंतिम 16 में जगह बनाने में सफल रही।

सोमवार की रात को खेले गए मैच में पीएसजी ने 35वें मिनट में पहला गोल किया, जब विटिना का शॉट नेट से काफी दूर जाकर टीम के साथी ख्विचा क्वारात्शेलिया से टकराया और डिफ्लेक्ट होकर गोल के अंदर चला गया। चैंपियंस लीग के चैंपियन की तरफ से अशरफ हकीमी ने 66वें मिनट में दूसरा गोल किया। इस जीत से पीएसजी ग्रुप बी में गोल अंतर के आधार पर शीर्ष पर रहकर अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहा। इस ग्रुप में शामिल यूरोप की एक अन्य टीम एटलेटिको मैड्रिड को बोटाफोगो पर 1-0 से जीत के बावजूद बाहर का रास्ता देखना पड़ा। बोटाफोगो इस मैच में पराजय के बावजूद आगे बढ़ने में सफल रहा। तीनों टीम ने ग्रुप चरण का समापन दो जीत और एक हार के साथ किया, लेकिन आठ दिन पहले टूर्नामेंट के पहले मैच में एटलेटिको को पीएसजी से 4-0 से मिली करारी हार भारी पड़ गई। इंटर मियामी और पाल्मेरास के बीच मैच का ड्रॉ होना ही नॉकआउट दौर में पहुंचने के लिए पर्याप्त था। दोनों टीमों ने ग्रुप ए में चार-चार अंक लेकर अगले दौर में कदम रखा। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी इस मैच में कोई कमाल नहीं दिखा पाए। उन्होंने गोल करने के कुछ अच्छे मौके गंवाए। इसके बावजूद एक समय लग रहा था कि इंटर मियामी 16वें मिनट में तादेओ अलेंदे और 65वें मिनट में अनुभवी लुइस सुआरेज के गोल की मदद से 2-0 की बढ़त लेने के बाद जीत हासिल करने में सफल रहेगा, लेकिन ब्राजील के क्लब पाल्मेरास ने 80वें मिनट में पॉलिन्हो के गोल तथा नियमित समय समाप्त होने से कुछ मिनट पहले मौरिसियो के गोल की मदद से मैच ड्रॉ कराकर अंतिम 16 में अपनी जगह सुनिश्चित की।

इशान किशन का काउंटी चैंपियनशिप में शानदार डेब्यू, खेली 87 रन की शानदार पारी

नॉटिंघमशायर , एजेंसी

नॉटिंघमशायर के साथ अपने काउंटी चैंपियनशिप अभियान की शुरूआत सोमवार को यॉर्कशायर के खिलाफ एक धमाकेदार अर्धशतक के साथ की। किशन ने इंग्लैंड के डोम बेस और न्यूजीलैंड के विल ओरुरके जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली गेंदबाजों वाली यॉर्कशायर की गेंदबाजी इकाई के खिलाफ निडरता से खेला। उन्होंने सिर्फ 98 गेंदों में 87 रन बनाए जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल था। उनके रन 88.77 के स्ट्राइक रेट से आए।

किशन ने नॉटिंघमशायर के लिए दो काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों को कवर करने वाले एक अल्पकालिक डील पर हस्ताक्षर किए। इसने उन्हें ट्रेंट ब्रिज में यॉर्कशायर और टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए चयन के योग्य बना दिया। बाएं हाथ का यह खिलाड़ी काइल वेरिन के प्रतिस्थापन के रूप में टीम में है, जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाला दक्षिण अफ्रीकी जिम्बाब्वे में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए बाहर है। इशान ने भारत के लिए दो टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने तीन पारियों में एक अर्धशतक की मदद से 78 रन बनाए हैं। उनका सबसे शानदार प्रारूप वनडे है, जिसमें उन्होंने 27 मैचों और 24 पारियों में 42.40 की औसत, 102.19 की स्ट्राइक रेट, एक शतक और 7 अर्द्धशतक और 210 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 933 रन बनाए हैं। भारत के लिए 32 टी20आई में उन्होंने 25.67 की औसत, 124.37 की स्ट्राइक रेट, छह अर्धशतक और 89 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 796 रन बनाए हैं। पिछले साल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ अपना केंद्रीय अनुबंध गंवाने के बाद किशन ने इस साल इसे फिर से हासिल कर लिया और उन्हें सी-ग्रेड श्रेणी में रखा गया।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

चीजें हमारे हाथ में नहीं, हानिया आमिर संग काम पर दिलजीत दोसांझ ने तोड़ी चुप्पी

पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ लगातार विवादों में बने हुए हैं। दिलजीत की नई पंजाबी फिल्म सरदार जी 3 जल्द विदेशी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसपर जमकर विवाद हो रहा है। विवाद की वजह है फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर का होना। हानिया, दिलजीत की फील में लीड रोल निभा रही हैं। ऐसे में जनता दिलजीत दोसांझ से नाराज है। इस फिल्म को भारत में रिलीज नहीं किया जा रहा है। बल्कि ये विदेश में रिलीज होगी। अब इस फैसले पर एक्टर ने बात की है।

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले और भारत के जवाबी ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तानी और हिंदुस्तान के बीच टेंशन चल रही है। हानिया आमिर ने ऑपरेशन सिंदूर और भारत को लेकर कई पोस्ट शेयर किए थे, जिसमें उन्होंने हिंदुस्तान की बुराई की। ऐसे दिलजीत के दुश्मन मुल्क की एक्ट्रेस संग काम करने और उसे प्रमोट करते देख भारतीय जनता और सिने एसोसिएशन नाराज हो गई है। इस बीच दिलजीत डोसांझ ने बीबीसी एशियन नेटवर्क संग बातचीत में इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है। फिल्म सरदार जी 3 के इंटरनेशनल लेवल पर रिलीज होने और भारत में रिलीज ना होने पर दिलजीत ने बात की। उन्होंने कहा, जब ये फिल्म बनी थी तब सिचुएशन सब ठीक थी। हमने इसे फरवरी में शूट किया था और तब सबकुछ ठीक था। उसके बाद, बहुत सारी बड़ी

मेट्रो बाजार

सोना 2,085 गिरकर 97,263 पर आया, चांदी 1.06 लाख किलो

नई दिल्ली। इजराइल-ईरान सीजफायर के बाद आज यानी 24 जून को सोने-चांदी के दाम में बड़ी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 2,085 गिरकर 97,263 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 99,348 पर था। वहीं चांदी की कीमत ?1,096 कम होकर 1,05,967 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,063 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था। हालांकि एक्सपर्ट्स के अनुसार आगे सोने-चांदी में तेजी जारी रहने की उम्मीद है।

इस साल अब तक 21,101 महंगा हुआ सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,101 रुपए बढ़कर 97,263 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 19,950 रुपए बढ़कर 1,05,967 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

एसपी का भारत पर भरोसा बढ़ा जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली । सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतों और मौद्रिक नरमी को देखते हुए एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने पश्चिम एशिया में अशांति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बढ़ते जोखिम की भी चिंता जाहिर की और कहा कि तेल की कीमतों में दीर्घकालिक वृद्धि से धीमी वैश्विक वृद्धि और शुद्ध ऊर्जा आयातकों के चालू खातों, कीमतों व लागतों पर दबाव के जरिये एशिया-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है। एसएंडपी ने कहा, ह्यह्यहालांकि, वैश्विक ऊर्जा बाजारों की वर्तमान स्थिति देखते हुए जहां पर्याप्त आपूर्ति है उससे तेल की कीमतों पर ऐसा दीर्घकालिक प्रभाव पड़ने के आसार नहीं है। एसएंडपी ने पिछले महीने वैश्विक अनिश्चितताओं और अमेरिकी शुल्क झटकों का हवाला देते हुए भारत के वित्त वर्ष 2025-26 के वृद्धि अनुमान घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया था।

रेटिंग एजेंसी ने मंगलवार को जारी एशिया प्रशांत आर्थिक परिदृश्य में कहा, ह्यह्यहम वित्त वर्ष 2025-26 (31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रहने की उम्मीद करते हैं...।

सोशल मैसेज वाली सितारे जमीन पर के सामने

स्ट्रगल कर रही सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5

आमिर खान की कमबैक फिल्म सितारे जमीन पर लगातार दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो रही है। इसका ट्रेलर देखने के बाद लोगों को कहानी से उम्मीदें तो जगी थीं, मगर फिल्म जनता को इतनी पसंद आएगी ये अनुमान शायद किसी ने नहीं लगाया था। दमदार कंटेंट वाली फिल्में लेकर आते रहे आमिर सितारे जमीन पर में एक बार फिर कॉमेडी के साथ दमदार सोशल मैसेज देने में कामयाब हो रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर इसके दूसरी तरफ एक कहानी बॉलीवुड की सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 के साथ भी चल रही है। बड़े बजट में बनी इस अक्षय कुमार स्टारर फिल्म का थिएटर्स में ये तीसरा हफ्ता है और बॉक्स ऑफिस पर इसकी परफॉरमेंस जिस तरह गिर रही है, वो एक अच्छा संकेत नहीं है।

रिपोर्ट्स के हिसाब से 225 करोड़ रुपये के बजट में बनी हाउसफुल 5 बॉलीवुड की सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, फरदीन खान, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी और जैकलीन फर्नांडिस जैसे बड़े नामों

से भरी स्टारकास्ट भी है। पहले वीकेंड में 90 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन करने वाली हाउसफुल 5, जिस तरह स्लो पड़ती जा रही है, वो बॉक्स ऑफिस के लिए एक टेंशन की बात है। पहले हफ्ते में हाउसफुल 5 ने 133 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया था। लेकिन दूसरे ही हफ्ते में, सामने कोई बड़ी रिलीज ना होने के बावजूद ये फिल्म सिर्फ 43 करोड़ का ही कलेक्शन कर पाई। यानी एक ही हफ्ते में फिल्म की कमाई एक तिहाई से ज्यादा कम हो गई। अब ट्रेड रिपोर्ट्स बता रही हैं कि बीते वीकेंड हाउसफुल 5 ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 8 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया।

थिएटर्स के लिए सितारे जमीन पर बनी फायदे का सौदा

आमिर खान ने अपनी फिल्म सितारे जमीन पर को ओटीटी पर रिलीज करने से मना कर दिया था। शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई ये फिल्म पहले 4 दिन में 65 करोड़ रुपये से ज्यादा नेट कलेक्शन कर चुकी है। गुरुवार को पहला हफ्ता पूरा होने तक इस फिल्म का कलेक्शन 85 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। जबकि सितारे जमीन पर का रिपोर्टेड बजट 80 करोड़ रुपये है। दिलचस्प ये है कि आमिर खान की फिल्म कॉमेडी के साथ-साथ बौद्धिक रूप से अक्षम लोगों के प्रति संवेदनशीलता का मैसेज भी दमदार तरीके से देती है। ये उस तरह की फिल्म है जिसे साफ-सुथरा फैमिली एंटरटेनमेंट कहा जाता है। जबकि हाउसफुल 5 कॉमेडी होने के बावजूद फैमिली एंटरटेनमेंट की कैटेगरी में तो नहीं रखी जा सकती।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र का मामला

गर्लफ्रैंड ने युवक और उसके दोस्त पर चाकू-डंडे से कराया जानलेवा हमला

हाथ की नस काटने का बहाना बनाकर बिजली कॉलोनी ग्रांउड बुलाया

युवती समेत 5 पर प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित बिजली कॉलोनी ग्राउंड पर सोमवार रात एक युवती ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर कथित प्रेमी व उसके दोस्त पर छुरी व डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। युवती ने अपनी हाथ की नस काटने की धमकी देकर प्रेमी और उसके दोस्त को बिजली कॉलोनी ग्राउंड पर बुलाकर हमला किया। पुलिस ने युवती और उसके चारों साथियों के खिलाफ हत्या का प्रयास की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक फरियादी सुरेन्द्र यादव (21) सोमवार रात करीब 11 बजे अपने दोस्त भूरा वाल्मीकि और शुभम पंजाबी के साथ छावनी पठार बिलखिरिया इलाके में बैठा था। तभी सुरेन्द्र की गर्लफ्रेंड पूनम की दोस्त अंजली ठाकुर का फोन आया और उसने भूरा से कहा कि तुम बिजली कॉलोनी अशोका गार्डन आ जाओ।

पूनम हाथ काट रही है। तब भूरा ने कहा कि मेरी पूनम से कोई बात नहीं हुई है। इस पर पूनम ने भूरा से कॉल पर बात करते हुए बिजली कॉलोनी आने के लिए कहा। उसने कहा कि यहां आ जाओ, मैं फोन पर बात नहीं कर पाऊंगी। इसके बाद भूरा वाल्मीकि और सुरेन्द्र यादव अपने दोस्त शुभम पंजाबी की मोटरसाइकिल पर सवार होकर रात करीब साढ़े 11 बजे बिजली कॉलोनी पहुंचे। शुभम सडक़ किनारे अपनी गाड़ी के साथ खड़ा रहा जबकि सुरेन्द्र और भूरा ग्राउंड पर चले गए। वहां पूनम व अंजली मिलीं।

पूनम से बात करते समय दो लडक़े आए। पूनम ने उन्हें नाम दुकर पुकारा। उनमें से अरमान ने छुरी व अरबाज ने डंडे से सुरेन्द्र व भूरा पर हमला कर दिया। हाथ, पसली व पैर के पास छुरी लगने से सुरेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गया। भूरा भी हाथ-पैर व सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। तभी निखिल व सिकंदर नाम के दो लडक़े और आ गए और उन लोगों ने भी सुरेन्द्र व भूरा के साथ मारपीट की। पूनम उन दोनों लडक़ों को नाम से पुकार कर कह रही थी कि सिकंदर और निखिल इन दोनों को जान से मार दो। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल के पास खड़े शुभम पंजाबी ने आकर बीच-बचाव किया। आरोपी अरमान, अरबाज, सिकंदर, निखिल और पूनम वहां से फरार हो गए। शुभम पंजाबी ने अपने दोनों घायल दोस्तों को अस्पताल में भर्ती कराया।

बाइक की टक्कर से मामा-भांजे हुए घायल

भोपाल। बैरसिया इलाके में मंगलवार की शाम एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने मोटर सायकिल से जा रहे मामा-भांजे को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार शिवम बंजारा (18) दशहरा बाग सीहोर का रहने वाला है और मजदूरी करता है। मंगलवार की शाम करीब सात बजे वह अपने मामा राजा बंजारा के साथ मोटर सायकिल से ग्राम मनख्याई में रहने वाले बहनोई के घर जा रहा था। विदिशा रोड सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में राजा के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि शिवम को कान, सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जमीन के नाम पर एक करोड़ की ठगी, कोहेफिजा का निगरानी बदमाश गिरफ्तार

90 लाख रुपए एकड़ का सौदा करने के बाद 24 एकड़ जमीन खुद की बताते हुए लगाई थी इंदौर के कारोबारी को एक करोड़ की चपत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परवलिया सड़क पुलिस ने शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है। जालसाज कोहेफिजा थाने का निगरानी बदमाश है और उस पर लूटपाट, डकैती, हत्या के प्रयास, अड़ीबाजी सहित 37 अपराध दर्ज है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी देहात ने पांच हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। आरोपी ने 90 लाख रुपए एकड़ का सौदा करने के बाद 24 एकड़ जमीन ज्वाइंट वेंचर में बेचने का कहकर इंदौर के कारोबारी को एक करोड़ की चपत लगाई?थी। पुलिस के अनुसार महेंद्र दिवाकर, महालक्ष्मी नगर, इंदौर ने गत 26 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने शिकायत में बताया कि सुरेन्द्र कुमार मिहानी (58) इंद्र विहार कॉलोनी कोहफिजा द्वारा बताया गया कि उसके पास परवलिया सड़क के गांव में मोरगा में जमीन है। उसके पास 7-8 एकड़ भूमि हैं और आसपास की भूमि उनके परिचितों की है। उक्त भूमि को ज्वाइंट वेंचर बताकर एग्रीमेंट करा लिया। इसके बाद 1 करोड रुपए की राशि प्राप्त कर ली। एक करोड़ रुपए हाथ लगने के बाद आरोपी सुरेंद्र मिहानी ने कारोबारी महेंद्र दिवाकर से दूरी बना ली। न ही जमीन की रजिस्ट्री कराई गई और न ही एक करोड़ रुपए लौटाए गए। आरोपी ने अपना मोबाइल बंद किया और ठिकाना भी बदल लिया। महेंद्र दिवाकर की शिकायत पर परविलया पुलिस ने धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पुलिस की टीम ने आरोपी के ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह लगातार पुलिस को गुमराह कर फरार था। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से एसपी देहात प्रमोद सिन्हा ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। रुपए हाथ लगने के बाद खाटू श्याम गया बदमाश थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि धोखाधड़ी की रकम हाथ लगने के बाद आरोपी दो से तीन बार खाटू श्याम के दर्शन करने गया था। पुलिस की टीम उसके घर और हर संभव ठिकानों पर दबिश दे रही थी, लेकिन आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहा था। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र सक्रिय किए। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि किसी पुराने अपराध में वह भोपाल कोर्ट पेशी पर आया है।

सड़क पर पत्थर जमाकर कार रोकी, मिर्च झोंककर 3 लाख लूटे

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव परसोरा, भोजपुरा घाटी पर सोमवार रात बाइक सवार बदमाशों ने शराब दुकान के मैनेजर से तीन लाख बीस हजार रुपए की नगदी लूट ली। बैरसिया के परसोरो, भोजपुरा घाटी पर पांच बदमाशों ने की वारदात, मैनेजर और सेल्समैन सहित ड्राइवर की आंख में मिर्च झोंककर हुई लूट आरोपियों ने सड़क पर पत्थर रखकर पहले कार को रोका था फिर कार में बैठे मैनेजर, सेल्समैन और ड्राइवर की आंख में मिर्च झोंककर बदमाशों ने बैग छीन लिया। सोमवार रात करीब साढ़े 9 बजे हुई इस सनसनीखेज वारदात की एफआईआर मंगलवार सुबह पुलिस ने कर ली है। पुलिस का कहना है कि चार लुटेरों को हिरासत में लिया गया है। एक की तलाश जारी है। जल्द ही इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार 45 साल के देवेंद्र पटेल, मूलत- उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। वे रुनाहा गांव में रहते हैं और शराब दुकान पर मैनेजर हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि सोमवार रात वे नजीराबाद, रुनाहा और परसोरा शराब दुकान का कलेक्शन लेकर रुनाहा अपने घर आ रहे थे। उनके साथ कार में ड्राइवर और सेल्समैन भी था। सभी लोग भोजपुरा घाटी के पास पहुंचे थे, तभी मुख्य सड़क पर उन्हें पत्थर नजर आए। उन्होंने कार रोकी ही थी कि दो बाइक पर सवार पांच लोग पहुंचे और अपने पास रखा मिर्च पाउडर उनकी आंखों में झोंक दिया। आख में जलन होने के कारण वह आंख रगड़ने लगे, तभी आरोपी आरोपी कार में रखा बैग लेकर फरार हो गए। बैग में तीन लाख बीस हजार रुपए की नगदी थी।

मॉडल स्कूल की वार्षिक पत्रिका का विमोचन

बच्चों के साइंस इनोवेशन, लेख और साहित्यिक रचनाओं को प्रमुख स्थान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मंगलवार को मंत्रालय में मॉडल स्कूल टीटी नगर, भोपाल की वार्षिक शालेय पत्रिका प्रस्तुति का विमोचन किया। मंत्री सिंह ने इस मौके पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल की वार्षिक पत्रिका बच्चों की प्रतिभा को निखारने का एक अच्छा माध्यम है। उन्होंने पत्रिका के प्रकाशन पर शाला प्रबंधन के प्रयासों की प्रशंसा की। स्कूल की प्राचार्य रेखा शर्मा ने बताया कि शाला की वार्षिक पत्रिका में बच्चों की वर्षभर की खेल-कूद, सांस्कृतिक और प्रतिभाशाली बच्चों की उपलब्धियों का समावेश किया गया है।

उन्होंने बताया कि पत्रिका में बच्चों के साइंस इनोवेशन, लेख और साहित्यिक रचनाओं को प्रमुख स्थान दिया गया है। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल में कक्षा 6 से 12 तक करीब 2400 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। इस अवसर पर उप प्राचार्य आर.के. श्रीवास्तव, व्याख्याता आशा वैश एवं व्याख्याता शिशुपाल सिंह यादव उपस्थित रहे।

धमकी पर पुलिस ने नहीं की कार्यवाही, छात्र को चाकू मारे

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर में एक निजी कॉलेज में छात्र पर कुछ युवकों द्वारा चाकुओं से हमला करने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि पीड़ित छात्र के परिजन का कहना है कि आरोपियों ने पहले कई बार छात्र को धमकी दी थी, लेकिन शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। परिजनों का कहना है कि आरोपियों में एक एसआई का बेटा भी है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

जमीनी विवाद में किसान ने खेत में पेड़ पर लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित कोच फैक्ट्री के पास मंगलवार सुबह एक किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में उन्होंने परिवार ही आरोप लगाए हैं। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार दुर्गा प्रसाद कुशवाह (50) लवकुश नगर, स्टेशन बजरिया में रहते थे। मंगलवार सुबह वह घर से उचित मूल्य की दुकान गए थे। वहां भीड़ होने के कारण वह निकल गए। इसके बाद अपने खेत पहुंचे। कोच फैक्ट्री के पास खेत में पहुंचने के बाद उन्होंने आम के पेड़ पर फांसी लगा ली। करीब साढ़े 11 बजे खेत पर सब्जी लेने के लिए एक आटो वाला पहुंचा था। उसने दुर्गा प्रसाद को आम के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटके देखा और बजरिया चौराहा पर कुछ लोगों को सूचना दी। इस दौरान वहां दुर्गाप्रसाद का रिश्तेदार भी खड़ा था। वह भी खेत पहुंच गया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी पहुंच गई थी। पुलिस ने मृतक की तलाशी। इस दौरान मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में उन्होंने परिवार के ही कुछ लोगों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। बताया जाता है कि वह खेत बेचना चाहते थे, लेकिन परिवार के कुछ लोग अड़ंगा डाल रहे थे। इसी से दुखी होकर उन्होंने फांसी लगाई है।

मेट्रो एंकर दोषमुक्ति के कारण, साक्ष्य संकलन और पीड़ित संरक्षण पर हुई चर्चा

महिला अपराधों की विवेचना में सुधार हेतु कार्यशाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला सुरक्षा शाखा पुलिस मुख्यालय द्वारा नवीन पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में महिला अपराधों की विवेचना में सुधार हेतु एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला एवं बाल अपराधों की विवेचना को और अधिक प्रभावी, त्रुटिरहित एवं तकनीकी दृष्टि से सुदृढ़ बनाना था। इस कार्यशाला में पुलिस, अभियोजन, फोरेंसिक तथा अन्य तकनीकी शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने यौन उत्पीडन, पोस्को एक्ट, धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 तथा बलात्कार के प्रकरणों की विवेचना में आने वाली चुनौतियों एवं उनके

समाधान पर व्यापक चर्चा की। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा अनिल कुमार द्वारा डिब्रीफिंग एवं प्रमुख निष्कर्षों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोषमुक्ति की दर कम करने और प्रभावी साक्ष्य संकलन हेतु पुलिस, अभियोजन और अन्य सहयोगी इकाइयों के मध्य बेहतर समन्वय और तकनीकी दक्षता आवश्यक है। पोस्को एक्ट को लेकर दी गई जानकारी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी, पुलिस आयुक्त कार्यालय भोपाल मनीषा पटेल ने पोस्को एक्ट के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की। पीड़ित की पहचान गोपनीय रखना अनिवार्य उन्होंने कहा कि पीड़ित की पहचान गोपनीय रखना अनिवार्य है और यदि आवश्यक हो तो इसकी प्रक्रिया का विधिवत पालन किया जाना चाहिए। दोषमुक्ति के प्रमुख कारणों जैसे राजीनामा, विवेचना में त्रुटियां और अन्य कारणों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विशेष प्रकरणों, अपराध दर्ज होने पर महिला अपराधों में पुलिस की अनिवार्य कार्रवाई, डीसीपीयू की भूमिका, पीड़ित के व्यवहारिक संरक्षण, चिकित्सा परीक्षण और साक्ष्य संकलन की विधियों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। दोष मुक्ति पर समीक्षा सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, सीआईडी पुलिस मुख्यालय विजय बंसल ने पोस्को एक्ट में साक्ष्य संकलन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों एवं प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी। धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम पर चर्चा उप पुलिस महानिरीक्षक महिला सुरक्षा शाखा संतोष गौर एवं उप संचालक अभियोजन महिला सुरक्षा शाखा केएल मुवेल ने धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 और बलात्कार के प्रकरणों में दोषमुक्ति की समीक्षा पर चर्चा की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022